



श्रमसाधना



हम बनेंगे आपकी आवाज
रकने करें और चैनल से जुड़े

shramsadhnagwl@gmail.com

श्रम की शक्ति, राष्ट्र की प्रगति

www.shramsadhnanews.com

दैनिक सांध्यकालीन

RNI रजि. क्र. 50069/89

वर्ष: 38, अंक: 36 ग्वालियर, सोमवार 31 अगस्त 2026

विक्रम संवत् 2083 पृष्ठ 12, मूल्य 1 रुपया

डाक पंजीयन

L-2-13/समा.पत्र/पं. 40020181/22-23

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1 सितंबर को 304.98 करोड़ रुपए से अधिक की राशि करेंगे अंतरित

1.22 लाख विद्यार्थियों को लैपटॉप के लिए मिलेंगे 25-25 हजार

भोपाल जीएनएस
कक्षा 12वीं में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक हासिल करने वाले प्रदेश के करीब 1 लाख 22 हजार मेधावी विद्यार्थियों को लैपटॉप खरीदने के लिए सरकार 25-25 हजार रुपए की प्रोत्साहन राशि देगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 1 सितंबर को भोपाल के कुशाभाऊ ठाकरे अंतरराष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों के खातों में राशि का अंतरण करेंगे।

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के तहत लाभ
: प्रदेश सरकार द्वारा विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने और उन्हें डिजिटल तकनीक से जोड़ने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग के माध्यम से

प्रतिभाशाली विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना संचालित की जा रही है। योजना के तहत कक्षा 12वीं की परीक्षा में प्रथम प्रयास में 75 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त करने वाले प्रत्येक पात्र विद्यार्थी को लैपटॉप खरीदने के लिए 25 हजार रुपए की राशि दी जाती है।

इस वर्ष योजना के अंतर्गत करीब 1.22 लाख विद्यार्थियों को लाभान्वित किया जा रहा है। प्रत्येक विद्यार्थी के बैंक खाते में 25 हजार रुपए के हिसाब से कुल 304 करोड़ 98 लाख 50 हजार रुपए से अधिक की राशि अंतरित की जाएगी।

डिजिटल शिक्षा को मिलेगा बढ़ावा : सरकार की इस पहल से मेधावी विद्यार्थियों को



उच्च शिक्षा के लिए जरूरी डिजिटल संसाधन उपलब्ध कराने के साथ उन्हें आधुनिक तकनीक से जोड़ने में मदद मिलेगी। लैपटॉप के माध्यम से विद्यार्थी ऑनलाइन अध्ययन, डिजिटल पाठ्य सामग्री, ई-लर्निंग और अन्य तकनीकी संसाधनों का उपयोग कर सकेंगे। इससे विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में भी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

दो सितंबर को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव करेंगे बलराम जयंती व किसान दिवस समारोह का शुभारंभ

ग्वालियर जीएनएस

ग्वालियर व्यापार मेला प्रांगण में 2 सितंबर को सुबह 11 बजे बलराम जयंती एवं किसान दिवस समारोह आयोजित किया जाएगा। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समारोह का शुभारंभ करेंगे। कार्यक्रम में विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, प्रदेश के कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना और सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग सहित भाजपा के कई वरिष्ठ नेता शामिल होंगे।

2006 से हो रहा किसान सम्मान समारोह : अपेक्स बैंक



के प्रशासक महेंद्र सिंह यादव ने पत्रकार वार्ता में बताया कि ग्वालियर में वर्ष 2006 से बलराम जयंती के अवसर पर किसान सम्मान समारोह और कवि सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बलराम जयंती को बलराम महोत्सव

के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसके तहत अब तक प्रदेश के 23 जिलों में बलराम महोत्सव आयोजित किए जा चुके हैं। उन्होंने बताया कि इस बार ग्वालियर में बलराम जयंती के साथ किसान सम्मान समारोह एवं कवि सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने ओरछा में जारी निर्माण कार्यों का किया अवलोकन धार्मिक एवं सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित कर आने वाली पीढ़ियों को अवगत कराना हमारी प्राथमिकता है

भोपाल जीएनएस
मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि ओरछा को पर्यटन के अद्भुत केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। ओरछा का राम राजा मंदिर हमारे गौरवशाली अतीत की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक संपदा है। यहां के मंदिर एवं महल तत्कालीन समृद्ध स्थापत्य के प्रत्यक्ष उदाहरण हैं, जो हमें हमारी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से जोड़े रखते हैं। ये तत्कालीन उन्नत तकनीक और स्थापत्य के भी अद्भुत उदाहरण हैं, पहले एअर कंडीशनर नहीं होते थे, लेकिन यहां के भवन वातानुकूलित बने हैं, जो गर्मी में ठंडे और ठंड में गर्मी का एहसास कराते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आज ओरछा स्थित ऐतिहासिक एवं आस्था के प्रमुख केन्द्र श्री रामराजा लोक में जारी निर्माण कार्यों का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने



निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी लेते हुए संबंधित अधिकारियों को कार्यों को गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निरीक्षण के बाद मीडिया से चर्चा में यह विचार-व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्माणधीन रामराजा लोक परिसर में विभिन्न प्रतिष्ठानों का निरीक्षण करते हुए प्रतिष्ठान संचालकों से

संवाद किया तथा उनकी समस्याओं और सुझावों को सुना। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त समस्याओं के निराकरण के लिए आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने जुझार सिंह महल में चल रहे निर्माण तथा जीर्णोद्धार कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने जहांगीर महल का भ्रमण कर यहां की ऐतिहासिक एवं समृद्ध स्थापत्य कला का अवलोकन भी किया।

रेती फाटक दुर्गा मंदिर में 500 दीपकों से की गई सजावट पूर्णिमा पर सामूहिक शिव अभिषेक एवं दीप महायज्ञ संपन्न

ग्वालियर

पूर्णिमा की संध्या पर रेती फाटक स्थित दुर्गा मंदिर में सामूहिक शिव अभिषेक एवं दीप महायज्ञ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर को 500 दीपकों से सजाया गया। बड़ी संख्या में गायत्री परिजनों ने सामूहिक रूप से शिव अभिषेक एवं दीप महायज्ञ में सहभागिता की।

इससे पूर्व गायत्री जागृति केंद्र, सुभाष नगर हजीरा में सुबह 10 बजे श्रावण स्नान कार्यक्रम आयोजित किया गया। भक्तों ने दूध, दही, शहद सहित विभिन्न पूजन सामग्री से भगवान शिव का अभिषेक किया। स्नान के बाद गायत्री यज्ञ भी संपन्न कराया गया। कार्यक्रम में आवश्यक स्नान एवं यज्ञ सामग्री गायत्री जागृति केंद्र की ओर से निशुल्क उपलब्ध कराई गई।



500 दीपकों से जगमगाया मंदिर : शाम को रेती फाटक दुर्गा मंदिर में आयोजित दीप महायज्ञ के दौरान मंदिर परिसर 500 दीपकों की रोशनी से जगमगा उठा। श्रद्धालुओं ने सामूहिक शिव अभिषेक कर सुख-समृद्धि एवं शांति की कामना की।

आचार्य भक्ति दर्शन बरोलिया ने कराया आयोजन : सभी कार्यक्रम गायत्री जागृति केंद्र

के आचार्य भक्ति दर्शन बरोलिया के मार्गदर्शन में संपन्न हुए। इस अवसर पर सत्येंद्र सेंगर, मुनेन्द्र सिंह, नरेंद्र राठौड़, जय नारायण, प्रिंस गुप्ता, उषा गुप्ता, रेखा रावत, मुन्नी शर्मा, ममता, जसोदा शर्मा, कृष्ण गुप्ता सहित करीब 100 गायत्री परिजन उपस्थित रहे।

कार्यक्रम की जानकारी डॉ. प्रदीप गुप्ता, गायत्री शक्तिपीठ ग्वालियर की ओर से दी गई।

रामलीला मैदान में होगी विशाल रैली और आमसभा, ग्वालियर-डबरा से कार्यकर्ता होंगे रवाना

महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ भाकपा का दिल्ली में हुंकार कल

ग्वालियर जीएनएस
केंद्र सरकार की नीतियों, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के विरोध में भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) की ओर से 1 सितंबर को नई दिल्ली के रामलीला मैदान में विशाल रैली और आमसभा आयोजित की जाएगी। पार्टी ने इसके लिए 'बदलाव जरूरी है' का नारा दिया है। रैली में देशभर से मजदूर, किसान, नौजवान, विद्यार्थी,

महिलाएं, कर्मचारी और पार्टी कार्यकर्ताओं के शामिल होने का दावा किया गया है। भाकपा मध्यप्रदेश राज्य कार्यकारिणी सदस्य एवं ग्वालियर जिला सहायक सचिव कॉमरेड कौशल शर्मा एडवोकेट ने जारी विज्ञप्ति में कहा कि देश की मेहनतकश जनता केंद्र सरकार की नीतियों से परेशान है और बदलाव चाहती है। उन्होंने कहा कि नोटबंदी से प्रभावित व्यवसायी वर्ग, किसान,

मजदूर, कर्मचारी, छात्र, नौजवान और महिलाएं भी विभिन्न समस्याओं का सामना कर रहे हैं। **संवैधानिक मूल्यों पर संकट का आरोप** : कौशल शर्मा ने आरोप लगाया कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार के सत्ता में आने के बाद देश के संवैधानिक मूल्यों, लोकतंत्र, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता, सामाजिक न्याय और धर्मनिरपेक्षता के सामने संकट पैदा

हुआ है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक क्षेत्र और मेहनतकश जनता के हित प्रभावित हो रहे हैं। उनका आरोप है कि आंदोलन कर रहे छात्रों और नौजवानों के खिलाफ भी कठोर कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने कहा कि देश की संपत्तियों को बड़े पूंजीपतियों के सौंपे जाने के कारण रोजगार के अवसर प्रभावित हुए हैं। लगातार बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार से आम जनता परेशान

है। उन्होंने संवैधानिक संस्थाओं की गरिमा प्रभावित होने का भी आरोप लगाया।

ग्वालियर-डबरा से दिल्ली जाएंगे कार्यकर्ता : भाकपा नेता ने बताया कि मध्यप्रदेश के विभिन्न जिलों से पार्टी कार्यकर्ता दिल्ली में होने वाली रैली में शामिल होंगे। ग्वालियर और डबरा से कार्यकर्ता 30 और 31 अगस्त को सड़क मार्ग तथा रेल मार्ग से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। उन्होंने कहा कि

यह रैली जनहित के मुद्दों को मजबूती से उठाने और केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ पार्टी के विरोध को प्रदर्शित करने का माध्यम होगी। भाकपा ने मेहनतकश आवाम, मजदूर, किसान, कर्मचारी, नौजवान, विद्यार्थी, महिलाओं और आम नागरिकों से 1 सितंबर को रामलीला मैदान पहुंचकर रैली एवं आमसभा में अधिक संख्या में शामिल होने की अपील की है।

थाना भितरवार पुलिस एवं क्राईम ब्रांच की संयुक्त कार्यवाही

अवैध हथियार लेकर सेल्फी प्वाइंट पर बैठे दो आरोपियों को एक देशी पिस्टल एवं जिंदा राउंड सहित पुलिस ने किया गिरफ्तार

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भा.पु.से.) के निर्देशानुसार जिले में अवैध हथियार रखने एवं आपराधिक गतिविधियों में संलिप्त आरोपियों की धरपकड़ हेतु लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में त्योंहारों को दृष्टिगत रखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर के निर्देश पर अति. पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री सुजावल जग्गा(भा.पु.से.) एवं अति. पुलिस अधीक्षक ग्रामीण श्री जयराज कुबेर द्वारा क्राईम ब्रांच एवं थाना भितरवार पुलिस की संयुक्त

टीम को भितरवार क्षेत्र में बदमाशों की धरपकड़ हेतु लगाया गया। वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशानुसार डीएसपी अपराध श्री नागेन्द्र सिंह सिकरवार, डीएसपी अपराध श्री मनीष यादव एवं एसडीओपी भितरवार श्री गगन हनवत के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी भितरवार निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह एवं थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच निरीक्षक अमित शर्मा द्वारा क्राईम ब्रांच एवं थाना भितरवार पुलिस की संयुक्त टीम को आपराधिक तत्वों की धरपकड़ हेतु लगाया गया। पुलिस की संयुक्त टीम को

इलाका भ्रमण के दौरान दिनांक 27.08.2026 को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि खेड़ापति मंदिर रोड, पार्वती नदी किनारे स्थित सेल्फी प्वाइंट पर दो व्यक्ति अवैध हथियार लेकर बैठे हुए हैं। सूचना की तत्पक्षीक हेतु पुलिस टीम तत्काल मुखबिर द्वारा बताए स्थान पर पहुंची, जहां मुखबिर के बताये हुलिए के अनुसार दो संदिग्ध व्यक्ति बैठे दिखाई दिए। पुलिस टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ा और पूछताछ में आरोपियों ने अपना नाम नीरज परिहार पुत्र वीरेन्द्र सिंह परिहार, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम गधौटा, थाना

बेलगढ़ा, जिला ग्वालियर एवं गोलू परिहार पुत्र कमलेश परिहार, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम पपरेडू, थाना करैरा, जिला शिवपुरी बताया। पुलिस द्वारा दोनों की तलाशी लेने पर नीरज परिहार के कब्जे से एक देशी पिस्टल तथा गोलू परिहार के कब्जे से पिस्टल का एक जिंदा राउंड बरामद हुआ। उक्त दोनों व्यक्तियों का यह कृत्य धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत दण्डनीय होने से मौके पर दोनों आरोपीगण नीरज परिहार व गोलू परिहार से संयुक्त रूप से देशी पिस्टल व जिंदा राउंड को मौके पर जप्त किया जाकर दोनों आरोपियों को विधिवत गिरफ्तार

किया। आरोपियों के विरुद्ध थाना भितरवार में अपराध क्रमांक 348/2026, धारा 25/27 आर्म्स एक्ट के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है। आरोपियों से अवैध हथियार के संबंध में पूछताछ की जा रही है। गिरफ्तार आरोपीगण- 1. नीरज परिहार पुत्र वीरेन्द्र सिंह परिहार, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम गधौटा, थाना बेलगढ़ा, ग्वालियर 2. गोलू परिहार पुत्र कमलेश परिहार, उम्र 19 वर्ष, निवासी ग्राम पपरेडू, थाना करैरा, जिला शिवपुरी जप्त हथियार- एक देशी

पिस्टल व एक जिंदा राउंड। सराहनीय भूमिका: उक्त आरोपी को गिरफ्तार करने में थाना प्रभारी भितरवार निरीक्षक सुधीर सिंह कुशवाह, थाना प्रभारी क्राईम ब्रांच निरीक्षक अमित शर्मा, अनि अभिनव शर्मा(क्राईम ब्रांच), सजिन संतोष कुमार, प्र.आर. जितेन्द्र तिवारी(क्राईम ब्रांच), प्र.आर. विजय यादव(क्राईम ब्रांच), प्र.आर. बेताल यादव(क्राईम ब्रांच), प्र.आर. विनोद कुशवाह, आर.देवव्रत तोमर(क्राईम ब्रांच), आर.गौरव परमार(क्राईम ब्रांच), आर.रबेश राजावत(क्राईम ब्रांच), आर.अनूप शर्मा, आर.हरिमोहन सिंह थाना भितरवार की सराहनीय भूमिका रही है।

मधुसूदनगढ़ में एग्रीकल्चर बेस्ड इंडस्ट्री की अपार संभावनाएं: कलेक्टर कन्याल

गुना, जीएनएस।
मधुसूदनगढ़ क्षेत्र में विकास की अपार संभावनाएं हैं और यहां एग्रीकल्चर बेस्ड इंडस्ट्री विकसित की जा सकती हैं। हमारा उद्देश्य है कि इस क्षेत्र में भी उद्योगों का विकास हो, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिले। उक्त बात शनिवार को तहसील मधुसूदनगढ़ प्रवास के दौरान कलेक्टर किशोर कन्याल ने कही, और अमृतहरित महाअभियान में सहभागिता, निर्माणाधीन नगर परिषद भवन का निरीक्षण तथा उन्नत कृषक के फार्म का भ्रमण किया।

अमृतहरित महाअभियान में किया पौधारोपण
कलेक्टर श्री कन्याल ने ओवरब्रिज के समीप सिंचाई विभाग की भूमि पर आयोजित अमृतहरित महाअभियान कार्यक्रम में सहभागिता कर पौधारोपण किया तथा पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इसके पश्चात कलेक्टर ने निर्माणाधीन नगर परिषद मधुसूदनगढ़ भवन का निरीक्षण किया। उन्होंने निर्माण एजेंसी को भवन का कार्य गुणवत्तापूर्ण ढंग से करने और इसे शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान



रखा जाए। निर्धारित समय-सीमा से पहले कार्य पूर्ण हो जाए तो यह और भी अच्छा उदाहरण होगा। उन्होंने निर्माण एजेंसी से कहा कि किसी भी कार्य की सबसे बड़ी उपलब्धि यही होती है कि उसे गुणवत्ता के साथ समय से पहले पूरा किया जाए। **थाईपिंग अमरूद से हो रही लाखों रुपये की आय**
निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कन्याल ने उन्नत कृषक श्री गिरराज अग्रवाल के फार्म पर पहुंचकर थाईपिंग अमरूद के बगीचे का अवलोकन किया। इस दौरान उन्होंने किसान से अमरूद की उन्नत खेती और उससे होने वाली आय के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने कहा कि थाईपिंग अमरूद की खेती से कई किसान 8 से 10 लाख रुपये तक की

वार्षिक आय अर्जित कर रहे हैं। जिले में हॉर्टीकल्चर के प्रति किसानों का काफी अच्छा रुझान देखने को मिल रहा है। खेती के उत्पादन से भी अच्छी आय प्राप्त कर सकते हैं। कुछ किसान केवल सब्जी उत्पादन से ही लगभग 05 लाख रुपये वार्षिक तक का लाभ अर्जित कर रहे हैं। कलेक्टर ने कहा कि इस प्रकार की फसलों की विशेषता यह है कि इनके पौधे अपेक्षाकृत कम समय में विकसित हो जाते हैं। यदि इन्हें व्यवस्थित और वैज्ञानिक तरीके से लगाया जाए तो कृषकों की आय में वृद्धि होगी। जिले में कई किसानों ने इस प्रकार के सफल मॉडल प्रस्तुत भी किए हैं। इस दौरान एसडीएम राधोगढ़ अमित सोनी सहित अन्‍य अधिकारी उपस्थित थे।

मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी द्वारा उर्दू पाण्डुलिपियाँ आमंत्रित

भोपाल, जीएनएस।
मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी संस्कृति परिषद के द्वारा वर्ष 2026-27 में उर्दू पाण्डुलिपियों के प्रकाशन एवं प्रकाशन के लिए आर्थिक सहायता के लिये मध्यप्रदेश के साहित्यकारों/शायरों से उर्दू पाण्डुलिपियाँ 25 सितम्बर, 2026

तक आमंत्रित की गई है। पाण्डुलिपियाँ, कार्यालय मध्यप्रदेश उर्दू अकादमी, मुल्ला रमूजी संस्कृति भवन बाणगंगा रोड, भोपाल- 462003 में जमा करनी होगी। पाण्डुलिपि के साथ म.प्र. के मूल निवासी होने का प्रमाण-पत्र संलग्न करना अनिवार्य है। ऐसे साहित्यकारों/शायरों को जिनकी

पुस्तकें अकादमी द्वारा प्रकाशित/आर्थिक सहायता दिये हुए दस वर्ष नहीं हुए हैं, उनकी पाण्डुलिपियों पर विचार नहीं किया जाएगा। पुस्तक प्रकाशन/प्रकाशन के लिये आर्थिक सहायता देने के लिये बनाई गई कमेटी का निर्णय अंतिम माना जाएगा।

भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता 11 से

इशोपुर। भगवान श्रीकृष्ण मेधावी छात्रवृत्ति योजना के अंतर्गत प्रदेश के मेधावी विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान करने के लिए ऑनलाइन प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। प्रतियोगिता में भारतीय ज्ञान परंपरा से जुड़ी 14 विद्याओं एवं 64 कलाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थी चयनित किये जायेंगे। श्रीकृष्ण पाथेय न्यास एवं मध्यप्रदेश शासन के संस्कृति विभाग द्वारा यह ऑनलाइन प्रतियोगिता 11 से 30 सितंबर 2026 तक आयोजित की जाएगी। विद्यार्थी प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए निर्धारित लिंक अथवा क्यूआर कोड के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन कर सकेंगे। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले स्कूल स्तर के 51 तथा महाविद्यालय एवं विश्वविद्यालय स्तर के 51, कुल 102 मेधावी विद्यार्थियों का चयन किया जाएगा।

इंडिया स्किल प्रतियोगिता के लिए 15 सितंबर तक पंजीयन

इशोपुर, जीएनएस।
युवाओं को अपनी प्रतिभा को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने का अवसर देने के लिए कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय तथा राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के तत्वाधान में इंडिया स्किल प्रतियोगिता 2026-28 के लिए ऑनलाइन पंजीयन शुरू हो गया है। पंजीयन की अंतिम तिथि 15 सितंबर 2026 निर्धारित की गई है। इच्छुक युवा स्किल इंडिया डिजिटल पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को पहले जिला स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करनी होगी। इसके बाद चयनित प्रतिभागी राज्य, क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगे। राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले युवाओं का चयन अंतर्राष्ट्रीय

प्रतियोगिता के लिए किया जाएगा। प्रतियोगिता के लिए उम्मीदवार की जन्मतिथि 1 जनवरी 2006 या उसके बाद की होना आवश्यक है। वहीं क्लाउड कम्प्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी और इंडस्ट्री 4.0 जैसी कुछ आधुनिक स्किल्स के लिए आयु सीमा में छूट दी गई है। इन स्किल्स में भाग लेने के लिए 1 जनवरी 2003 या उसके बाद जन्मे युवा पात्र होंगे। प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए किसी शैक्षणिक अथवा तकनीकी योग्यता की अनिवार्यता नहीं है। इंडिया स्किल प्रतियोगिता में रोबोटिक्स, क्लाउड कम्प्यूटिंग, साइबर सिक्योरिटी, वेब टेक्नोलॉजी, वेल्लिंग, कारपेंट्री, कुकिंग, फैशन टेक्नोलॉजी, बेकरी और ऑटोमोबाइल सहित 63 इंडस्ट्री-रेडी स्किल्स शामिल हैं।

छात्र-छात्राओं को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग

ग्वालियर, जीएनएस।
अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ग्वालियर महानगर द्वारा प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को आवश्यक मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर आज अभाविप की प्रांत सहमंत्री कु. कविता खटीक के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री श्री इंदर सिंह परमार के नाम जिला प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया। ग्वालियर महानगर के कार्यकर्ता भारी संख्या में पैदल मार्च एवं नारेबाजी करते हुए कलेक्ट्रेट कार्यालय के बाहर एकत्रित होकर

पहुंचे जहां अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट ह्रस् सी बी प्रसाद ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद का ज्ञापन स्वीकार किया और विद्यार्थियों की समस्याओं को सुना। विद्यार्थी परिषद ने यह स्पष्ट करते हुए कि महाविद्यालय विद्यार्थियों के शैक्षणिक एवं व्यक्तित्व विकास के महत्वपूर्ण केंद्र हैं, लेकिन अनेक शासकीय महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को आज भी आवश्यक सुविधाओं के अभाव में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। इसी को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थी परिषद ने विद्यार्थियों की समस्याओं के शीघ्र



समाधान की मांग उठाई है। ज्ञापन में स्वच्छ पेयजल, स्वच्छ एवं पर्याप्त शौचालय, कक्षाओं में पर्याप्त फनीचर-पंखे-प्रकाश व्यवस्था, पुस्तकालयों का उन्नयन, प्रयोगशालाओं में आवश्यक उपकरण, खेल सुविधाएं, स्वच्छ एवं हरित परिसर तथा विद्यार्थियों के

लिए बैठने एवं विश्राम की व्यवस्था करने की मांग की गई। इसके साथ ही महाविद्यालय परिसरों में सुरक्षा व्यवस्था एवं सीसीटीवी कैमरे, व्यवस्थित वाहन पार्किंग, इंटरनेट/बुद्ध-सद्व सुविधा, दिव्यांग विद्यार्थियों के लिए सुगम व्यवस्था, प्राथमिक उपचार कक्ष, प्रभावी

विद्यार्थी सहायता केंद्र तथा छात्राओं के लिए कॉमन रूम उपलब्ध कराने की मांग भी रखी गई। विद्यार्थी परिषद ने सभी शासकीय महाविद्यालयों में गुणवत्तापूर्ण एवं रियायती दरों पर खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के लिए कैंटीन व्यवस्था प्रारंभ करने तथा विद्यार्थियों को रोजगार एवं कौशल विकास के लिए मार्गदर्शन देने वाले विवेकानंद करियर गाइडेंस सेल को पुनः सक्रिय करने की मांग भी की। अत्यंत चिंताजनक विषय है कि मध्य प्रदेश के विभिन्न जिलों में स्थित कई शासकीय महाविद्यालय इस समय मूलभूत सुविधाओं के

घोर अभाव और जर्जर अधोसंरचना से जूझ रहे हैं। देखने में आ रहा है कि प्रदेश के अधिकांश महाविद्यालयों में बाउंड्री वॉल क्षतिग्रस्त है या गायब है जिस कारण परिसर यह असामाजिक तत्वों का गढ़ बन रहे हैं, अधिकांश महाविद्यालयों की विवेकानंद के करियर गाइडेंस सेल ठप पड़ी हुई है, कैंटीन बंद है और पुस्तकालय यह पठन सामग्री के अभाव से जूझ रहे हैं। प्रदेश भर के कई महाविद्यालयों में कंप्यूटर एवं विज्ञान प्रयोगशालाओं पर्याप्त संसाधनों एवं उपकरणों की कमी के कारण उनकी स्थिति दयनीय है।

आक्रोश के बीच मध्य प्रदेश सरकार का 'डैमेज कंट्रोल', क्या सीधे संवाद से शांत होगी छात्र-किसान नाराजगी?

भोपाल, जीएनएस।

देश के अलग-अलग हिस्सों में चल रहे छात्र आंदोलनों और राज्य के भीतर हालिया किसान प्रदर्शनों के बाद अब मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। सरकार के खिलाफ पनप रहे असंतोष को थामने और व्यवस्था में प्रशासनिक पारदर्शिता का भरोसा जगाने के लिए मुख्यमंत्री ने

अब बंद कमरों के बजाय सीधे जनता के बीच जाने की एक बड़ी रणनीति तैयार की है, जिसके तहत पूरे प्रदेश में %युवा-कृषि संवाद% की श्रृंखला को संभाग स्तर से बढ़ाकर हर जिले तक विस्तारित किया जा रहा है।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार सरकार युवाओं की समस्याओं का कोई सतही समाधान नहीं बल्कि एक ठोस नीतिगत ढांचा तैयार



करना चाहती है और इसीलिए नीति आयोग की रिपोर्ट के आधार पर राज्य के युवाओं को स्कूली, कॉलेज, संगठित, असंगठित और पूरी तरह से वंचित जैसे पांच विशिष्ट वर्गों में विभाजित कर उनकी जरूरतों के हिसाब से सीधे इनपुट लिए जा रहे हैं। चालू वर्ष को %कृषक कल्याण वर्ष 2026% के रूप में मना रही सरकार का प्राथमिक फोकस इस

समय उन ग्रामीण युवाओं को रोकना है जो बुनियादी संसाधनों और रोजगार के अभाव में तेजी से शहरों की तरफ पलायन कर रहे हैं ताकि व्यवस्था में बिचौलियों और संवादहीनता को पूरी तरह खत्म किया जा सके।

स्वतंत्र नजरिए से देखें तो जिला स्तर पर जनता से सीधे जुड़ने का यह प्रयास निश्चित रूप से पारदर्शिता बढ़ाने की दिशा में एक

बेहद सकारात्मक और सुरक्षित कदम है। हालांकि, इसकी वास्तविक सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि संवाद के बाद युवाओं को केवल आश्वासन मिलता है या फिर उनकी जमीनी शिकायतों, समयबद्ध रोजगार और किसानों को उनकी फसलों के उचित मूल्य की समस्याओं पर तत्काल और पारदर्शी कार्रवाई सुनिश्चित की जाती है।

राखी के धागे ने बांधे रिश्ते, अपनों से दूर चेहरों पर खिल उठी मुस्कान

कलेक्टर श्रीमती चौहान ने मंगलधाम वृद्ध आश्रम के रहवासियों के साथ मनाया रक्षाबंधन

ग्वालियर, जीएनएस।

रक्षाबंधन केवल भाई-बहन के रिश्ते में बंधे स्नेह का पर्व नहीं, बल्कि उन दिलों तक पहुंचने का अवसर भी है, जिन्हें अपनत्व की सबसे अधिक जरूरत है। इसी मानवीय भावना के साथ ग्वालियर में इस बार रक्षाबंधन का पर्व प्रशासनिक दायित्वों से आगे बढ़कर आत्मीय रिश्तों का पर्व बन गया। अपनों से दूर रह रहे बुजुर्गों और परिवार से दूर बालिकाओं के बीच पहुंचकर जिला प्रशासन के अधिकारियों ने उनके साथ पर्व की खुशियां साझा कीं।

नेहरू कॉलोनी, थाटीपुर स्थित मंगलधाम वृद्ध आश्रम में उस समय माहौल भावुक हो गया, जब कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान वहां पहुंचीं। अपने साथ उपहार और मिठाइयां लेकर पहुंचीं कलेक्टर ने आश्रम में रह रहे भाइयों की कलाइयों पर स्नेहपूर्वक राखी बांधी और उन्हें उपहार भेंट किए। लंबे समय से परिवार से दूर रह रहे बुजुर्गों के लिए यह पल अपनेपन की कमी को भर गया। राखी के धागे के साथ मिले इस स्नेह ने उनके चेहरों पर खुशी ला दी।



कलेक्टर श्रीमती चौहान के साथ एसडीएम मुरार श्री नरेश चंद्र गुप्ता एवं तहसीलदार श्री कुलदीप दुबे भी मंगलधाम पहुंचे। दोनों अधिकारियों ने आश्रम में रह रही बहनों से राखियां बंधवाई और उन्हें उपहार भेंट कर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। अधिकारियों की आत्मीयता से आश्रम का वातावरण पारिवारिक स्नेह से भर उठा। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान की पहल पर जिला प्रशासन के अन्य अधिकारियों ने भी विभिन्न आश्रमों एवं बालिका संरक्षण गृहों में पहुंचकर रक्षाबंधन मनाया। अपर कलेक्टर श्री अनिल बनवारिया जेएच परिसर स्थित माँ कैला देवी

बालिका गृह पहुंचे। यहां बालिकाओं ने उन्हें राखी बांधी। उन्होंने बालिकाओं के साथ आत्मीयता से समय बिताया और उपहार भेंट किए। तहसीलदार श्री महेश कुशवाह ने भी बालिकाओं से राखियां बंधवाई और उन्हें उपहार भेंट कर रक्षाबंधन की शुभकामनाएं दीं। रक्षाबंधन के अवसर पर जिला प्रशासन की यह पहल संवेदनशीलता और अपनत्व का संदेश बन गई। जिन कलाइयों पर राखी बांधने वाला कोई अपना दूर है, वहां प्रशासन के अधिकारी भाई बनकर पहुंचे। राखी के धागों ने यह एहसास कराया कि रिश्ते केवल खून के नहीं होते।

स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज के 27वें त्रिदिवसीय त्रिपाद्विभूति प्राप्ति महोत्सव के अंतर्गत हुआ सन्त-विद्वत् सम्मेलन

वृन्दावन, जीएनएस।

केशीघाट स्थित ठा. श्रीजानकी वल्लभ मंदिर में श्रीमद् वेदान्त देशिक आश्रम ट्रस्ट के द्वारा चल रहे बैकुंठवासी श्रीवेदान्तदेशिक पीठाधीश्वर अनंतश्री विभूषित जगदुरु स्वामी रामानुजाचार्य परमहंस स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज के 27वें त्रिदिवसीय त्रिपाद्विभूति प्राप्ति महोत्सव के अंतर्गत संतों व विद्वानों की सन्निधि में स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज का पावन स्मरण किया गया। साथ ही वैदिक मंत्रोच्चार के मध्य उनकी प्रतिमा का पूजन-अर्चन किया गया। इस अवसर पर आयोजित संत-विद्वत् संगोष्ठी में अपने विचार व्यक्त करते हुए श्रीनाभापीठाधीश्वर जगदुरु स्वामी सुतीक्ष्णदास देवाचार्य महाराज एवं श्रीउमाशक्ति पीठाधीश्वर स्वामी रामदेवानंद सरस्वती महाराज ने कहा कि बैकुंठवासी स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज बहुत ही दयालु एवं सात्विक प्रवृत्ति के संत थे। उनके द्वारा निरंतर समाज के हित में कई कार्य किए गए। वे श्रीधाम वृन्दावन की दिव्य विभूति थे। श्रीजानकी वल्लभ मंदिर के अध्यक्ष जगदुरु स्वामी



अनिरुद्धाचार्य महाराज व स्वामी रघुनाथाचार्य महाराज ने कहा कि हमारे सदगुरु स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज सहजता, सरलता, उदारता व परोपकारिता आदि अनेकों सदगुणों की खान थे। हम लोग यदि उनके किसी एक गुण को भी अपने जीवन में धारण कर लें तो हमारा कल्याण हो सकता है। प्रख्यात साहित्यकार -यूपी रत्न- डॉ. गोपाल चतुर्वेदी एवं स्वामी देवनारायणाचार्य महाराज ने कहा कि बैकुंठवासी अनंतश्री विभूषित जगदुरु रामानुजाचार्य स्वामी भगवानदासाचार्य महाराज श्रीरामानुज सम्प्रदाय की बहुमूल्य विभूति थे। उनके द्वारा स्थापित सेवा प्रकल्पों का निर्वाह श्रीजानकीवल्लभ मंदिर में स्वामी अनिरुद्धाचार्य महाराज के निर्देशन में आज भी पूर्ण समर्पण के साथ संचालित हो रहा है। आचार्य/भागवत पीठाधीश्वर

आचार्य मारुतिनन्दन वागीश महाराज एवं संस्कृत के प्रकांड विद्वान पंडित राजाराम मिश्र ने कहा कि हम सभी को सदैव ही सदगुरु के द्वारा बताए गए सन्मार्ग पर चलना चाहिए। तभी हमारा कल्याण हो सकता है। सन्त सम्मेलन में आचार्य नेत्रपाल शास्त्री, आचार्य नरोत्तम शास्त्री, डॉ. रामदत्त मिश्र, आचार्य नरेश नारायण, स्वामी मुकुंदाचार्य महाराज, श्रीधराचार्य महाराज, संत सेवानंद ब्रह्मचारी, आचार्य ऋषि तिवारी, डॉ. राधाकांत शर्मा, आचार्य भूतिकृष्ण महाराज, स्वामी गोविन्द ब्रह्मचारी महाराज, अनुज कृष्ण शास्त्री आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए। सभा का शुभारंभ पण्डित मुकेश शास्त्री एवं आनन्द नारायण शास्त्री ने मंगलाचरण करके किया। संचालन आचार्य यशोदानंदन शास्त्री (लालजी महाराज) ने किया।

मंगल दोष बताकर लोई में रखवाई चैन, मौका पाकर ले गए, टप्पेबाज पिता-पुत्र गिरफ्तार

टूंडला। मंगल दोष का डर दिखाकर दुकान पर पहुंचे टप्पेबाज ने पहले आटे की लोई मंगवाई। इसके बाद दुकानदार की चैन लाई में रखवा दी। दुकानदार जैसे ही लाई को छत पर फेंकने गया, आरोपी चैन लेकर फरार हो गया। पुलिस ने मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11.5 ग्राम की पीली धातु की चैन और बिना नंबर प्लेट की



पल्सर बाइक बरामद की है। थाना टूंडला पुलिस के अनुसार, 24

अगस्त को एक व्यक्ति कई दिनों से वादी की दुकान पर आ रहा था।

उसने वादी को मंगल दोष होने की बात बताई और आटे की लोई मंगवाकर उसमें चैन रखवा दी। इसके बाद वादी को लोई छत पर फेंकने के लिए भेज दिया। इसी दौरान आरोपी चैन लेकर फरार हो गया। मामले में 25 अगस्त को मुकदमा दर्ज किया गया था। मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने शुक्रवार को न्यू रेलवे कॉलोनी में खंडहर रेलवे टिन शेड के पास घेराबंदी कर गिरेन्द्र

पुत्र स्व. सिपाहीराम निवासी मोहल्ला लालपुर, थाना कोतवाली सदर, एटा और उसके बेटे रितेश पुत्र गिरेन्द्र को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की चैन और वारदात में इस्तेमाल पल्सर बाइक बरामद की। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार रितेश के खिलाफ एटा, लखनऊ और गाजियाबाद के विभिन्न थानों में चोरी, लूट, आर्म्स एक्ट समेत कई मुकदमे दर्ज हैं।

भिण्ड-गोस्मी
के
समाचार
विज्ञापन
के लिए सम्पर्क करें
महेश चौधरी
98267-36233

श्रीजी
Har Khushi Ki Pahali Pasand
SCAN TO SHOP
OUR NEW PRODUCT

निष्पक्षता-विश्वसनीयता एवं जनहित का संवाहक

श्रमसाधना

संपादकीय

हिमनद फटने से आई नेपाल में आपदा

नेपाल में तिब्बत से आई बाढ़ से मची तबाही का मूल कारण भूकंप नहीं बल्कि हिमनद का फटकर बाढ़ में परिवर्तित हो जाना है। अमेरिकी भूगर्भीय सर्वेक्षण ने अपना आर्थिक आंकलन बदलते हुए कहा है कि यह आपदा भूकंप के कारण नहीं, अपितु एक हिमनद के बम की तरह फटकर ढहने और उसके मलबे के तेज बहाव के कारण आई है। इसके पहले इसी एजेंसी ने गोसाईं कुंड के लगभग 47 किमी उत्तर में 4.4 तीव्रता से आए भूकंप को हिमनद के टूटने का संभावित कारण बताया था। नेपाल के अखबार 'काठमांडू पोस्ट' के अनुसार 7,245 मीटर ऊंची लांगटांग लिरुंग चोटी के उत्तरी हिस्से पर यह हिमस्खलन हुआ है। इससे पहले 2015 में आए भूकंप के केंद्र में भी यही पहाड़ था। हालांकि अभी भी नेपाल से सटे तिब्बत में हिमालय की ऊंचाई पर हिमनद के टूटने जो बाढ़ आई है, उसके कारणों की पड़ताल की जा रही है। बढ़ते वैश्विक तापमान के चलते जलवायु परिवर्तन भी इस आपदा का कारण माना जाता रहा है। ऐसा है तो इस जल प्रलय के समाधान दुनिया के विकसित देशों को खोजने की जरूरत है।

फिलहाल चीन द्वारा हिमालयी पर्यावरण बिगाड़ने में सर्वाधिक योगदान है। इस तबाही की शुरूआत भी नेपाल-चीन सीमा पर बहने वाली ल्हेंदे नदी में बाढ़ के मलबे में आई रुकावट से मानी जा रही है। इस रुकावट के टूटने से पहले एक बड़ी हिमनद झील बन गई थी। इसके फटने से भोटेकोषी नदी में कीचड़ और बड़े-बड़े पत्थरों का सैलाब आ गया था। इसके नीचे नेपाल की बस्तियों में बहने से तबाही मची। नतीजतन 359 लोग बाढ़ ने लील लिए और 826 लापता हैं, इनमें भारत समेत अन्य देशों के 590 पर्यटक हैं। इस घटना से पता चलता है कि जलवायु परिवर्तन का सीधा असर उच्च हिमालयी क्षेत्रों पर तेज गति से हो रहा है। यहां तक की जिन हिमनद (ग्लेशियर) झीलों के आसपास मानव की आवाजाही अत्यंत सीमित है, वहां भी अब जलवायु परिवर्तन के चलते मौसम का मिजाज खतरे की घंटी बजाने लगा है। नेपाल में जिस हिमनद के टूटने से जल-प्लावन आया है, वह 17 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित थी और मानव बस्तियां भी नहीं थीं। अधिक ऊंचाई पर होने के कारण आवाजाही भी कम थी। इंटरनेशनल सेंटर फॉर इंटीग्रेटेड माउंटेन डेवलपमेंट और नेपाल सरकार के विज्ञानियों द्वारा किए आंकलन से पता चला है कि ऐसी 47 हिमनद झीलें हैं, जिन्हें खतरनाक माना गया है। चेतावनी भी दी गई है कि इनसे नेपाल की नदी प्रणालियों में इन हिमनदों के फटने से भयानक बाढ़ आ सकती है। इनमें से 21 झीलें हिमनद नेपाल में हैं और 25 झीलें तिब्बत की सीमा पर स्थित हैं। ये हिमनद उन नदियों के उद्गम स्थलों पर हैं, जो दक्षिण की ओर नेपाल में बहती हैं। अतएव इनके फटने से बाढ़ आती है तो नीचे की ओर बसे जन-समुदायों और बुनियादी संरचना के लिए बढ़ा संकट पैदा हो सकता है। यही संकट वर्तमान में नेपाल की संरचनात्मक तबाही में देखा जा रहा है। यह चेतावनी यदि अनुमान पर खरी उतरती है तो कहा जा सकता है कि नेपाल बर्बादी के मुहाने पर बसा है। भारत में भी इसरो और राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण के आंकड़ें डराने वाले हैं। भारतीय हिमालयी क्षेत्र में 7,500 से अधिक हिमनद झीलें हैं, इनमें से 189 'रेड जोन' में रेखांकित की गई हैं। इस संकेत से पता चलता है कि ये झीलें कभी भी फटकर उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में तबाही का कारण बन सकती हैं।

प्रान्तीय कार्यालय : 76 शबरी कॉम्प्लेक्स, एम.पी. नगर जोन-2 भोपाल, फोन : 0755-2579530

प्रान्तीय ब्यूरो प्रमुख : एल.एन. तवर, 9827781209

प्रान्तीय ब्यूरो : डॉ. जानकी अहिरवार 9406580345

Email:shramsadhnagwl@gmail.com

आरएसएस के सौ साल और अमेरिका में नया विवाद

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी वैश्विक स्तर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक का 25 अगस्त से लगभग 10 सितंबर 2026 तक, 17 दिवसीय तीन देशों अमेरिका, कनाडा और यूनाइटेड किंगडम की यात्रा का 25 अगस्त से शुरू अमेरिका दौरा केवल एक संगठन के शताब्दी वर्ष का वैश्विक संपर्क अभियान नहीं रह गया है, बल्कि यह भारत की विचारधारा, हिंदुत्व, धार्मिक स्वतंत्रता अल्पसंख्यक अधिकारों और भारतीय प्रवासी राजनीति को लेकर अमेरिका में चल रही पुरानी बहस का नया अध्याय बन गया है। 25 अगस्त 2026 से शुरू हुए आरएसएस प्रमुख के अमेरिका-कनाडा-ब्रिटेन दौरे का उद्देश्य आरएसएस के अनुसार संगठन के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वैश्विक हिंदू और भारतीय समुदायों से संवाद करना तथा आरएसएस और भारत के बारे में मौजूद गलत धारणाओं को दूर करना है। लेकिन न्यूयॉर्क पहुंचते ही यह दौरा समर्थन और विरोध, दोनों का केंद्र बन गया। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र मीडिया में आई खबरों के हवाले से बताना चाहूंगा कि 29 अगस्त को प्रस्तावित यूनिवर्सल ऑननेस सेलिब्रेशन में आरएसएस प्रमुख के संबोधन को लेकर न्यूयॉर्क के मेयर जोहरान ममदानी, पूर्व एनवायसी कम्पट्रोलर और कांग्रेस उम्मीदवार ब्रैंड लैंडर, कई इंटरफेथ एवं मानवाधिकार समूहों तथा यूएस सआईआरएफ ने गंभीर आपत्तियां उठाई हैं। दूसरी तरफ, अमेरिकी हिंदू संगठनों ने इसे हिंदू समुदाय की वैश्विक आवाज और वसुधैव कुटुम्बकम् के संदेश का मंच बताया है। आयोजकों का कहना है कि 200 से अधिक हिंदू-अमेरिकी संगठन इस आयोजन से जुड़े हैं। इस पूरे विवाद को समझने के लिए सबसे पहले यह समझना जरूरी है कि आरएसएस को लेकर अमेरिका में आपत्ति केवल आरएसएस प्रमुख के व्यक्तिगत बयानों तक सीमित नहीं है। आलोचकों की मुख्य आपत्ति आरएसएस की हिंदुत्व संबंधी वैचारिक भूमिका को लेकर है। आरएसएस स्वयं हिंदुत्व को भारतीय



संभ्यता, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, सामाजिक संगठन और राष्ट्रीय एकता की अवधारणा के रूप में प्रस्तुत करता है। आरएसएस की अपनी सामग्री में भागवत हिंदुत्व को सत्य, प्रेम और अपनत्व से जोड़ते हैं तथा संगठन सामाजिक समरसता, जातिगत भेदभाव के विरोध और सेवा को अपनी प्राथमिकताओं में बताता है। लेकिन आलोचकों का तर्क है कि व्यवहार में हिंदुत्व की राजनीतिक व्याख्या बहुसंख्यकवादी राजनीति को मजबूत कर सकती है और इससे मुस्लिम, ईसाई, सिख तथा अन्य अल्पसंख्यक समुदायों के अधिकार प्रभावित होने का खतरा पैदा होता है। यही वह वैचारिक अंतर है जहां आरएसएस की आत्म-व्याख्या और उसके आलोचकों की व्याख्या एक-दूसरे के बिल्कुल विपरीत दिखाई देती है। यह लेख 28 अगस्त 2026 तक उपलब्ध जानकारी पर मीडिया रिपोर्ट्स पर आधारित है।

साथियों, न्यूयॉर्क में विरोध का सबसे प्रमुख राजनीतिक चेहरा मेयर जोहरान ममदानी बने हैं। एक अमेरिकी समाचार एजेंसी के अनुसार ममदानी ने आरएसएस प्रमुख के कार्यक्रम का सार्वजनिक रूप से विरोध किया और आरएसएस की विचारधारा को भारत के बहुलतावादी तथा धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण के विपरीत बताया। हालांकि यह भी महत्वपूर्ण है कि किसी निजी कार्यक्रम को केवल राजनीतिक असहमति के आधार पर नगर प्रशासन द्वारा रोक देना अलग कानूनी प्रश्न है। रिपोर्टों के अनुसार ममदानी ने विरोध तो जताया है, लेकिन शहर के पास कार्यक्रम को रोकने की सीधी कानूनी शक्ति होने का प्रश्न अलग है। इसीलिए यह मामला केवल विचारधारा का नहीं, बल्कि अमेरिका में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण सभा के अधिकार का भी बन गया है। ब्रैंड लैंडर और कई इंटरफेथ समूहों का विरोध भी इसी वैचारिक पृष्ठभूमि से जुड़ा है। नॉरूम फॉर भागवत जैसे विरोध अभियान में मानवाधिकार, धार्मिक स्वतंत्रता और अल्पसंख्यक अधिकारों को प्रमुख मुद्दा बनाया गया है। विरोध करने वालों में हिंदू, फॉर ह्यूमन राइट्स, इंडियन अमेरिकन मुस्लिम कौंसिल, इंटरफेथ सेंटर ऑफ न्यूयॉर्क और अन्य समूहों के

नाम सामने आए हैं। उनका तर्क है कि किसी व्यक्ति के हिंदू होने या हिंदू धर्म का प्रतिनिधित्व करने के कारण विरोध नहीं किया जा रहा, बल्कि आरएसएस की राजनीतिक-सामाजिक भूमिका और उससे जुड़े कथित अल्पसंख्यक-विरोधी प्रभावों के कारण आपत्ति है। दूसरी तरफ हिंदू संगठनों का कहना है कि आरएसएस को हिंदू समाज के सांस्कृतिक और सेवा संगठन के रूप में देखने के बजाय केवल राजनीतिक विवादों के चश्मे से देखना सटीकता से अनुचित है।

साथियों इसी विवाद को सबसे गंभीर रूप तब मिला जब यूनाइटेड स्टेट्स कमिशन ऑन इंटरनेशनल रिलिजस फ्रीडम यानी यूएससीआईआरएफ ने आरएसएस के खिलाफ लक्षित प्रतिबंधों की मांग कर दी। यह बताना जरूरी है कि इसकी वार्षिक रिपोर्ट मुख्यतः देशों को विशेष चिंता वाले देश (सीपीसी) और विशेष निगरानी सूची (एसडब्ल्यूएल) जैसी श्रेणियों में रखने की सिफारिश करती है। हालांकि 2025 की उसकी रिपोर्टों में भारत में धार्मिक स्वतंत्रता की स्थिति पर गंभीर चिंता जताई गई है और भारत को विशेष चिंता वाले देश की श्रेणी में रखने की सिफारिश की गई है। या भारत पर अलग गंभीर देश-अध्याय जारी किया गया है। इन निष्कर्षों को भारत सरकार ने पक्षपातपूर्ण बताते हुए खारिज किया है। 126 अगस्त के अपने आधिकारिक बयान में यूएस सीआईआरएफ ने कहा कि उसे भागवत की अमेरिका यात्रा को लेकर गंभीर चिंता है। आयोग के चेयरमैन आसिफ महमूद ने अमेरिकी सरकार से आरएसएस के उन सदस्यों और भारतीय अधिकारियों पर लक्षित प्रतिबंधों पर विचार करने की अपील की जिन्हें वह धार्मिक स्वतंत्रता के उल्लंघन से जोड़ता है। आयोग ने विशेष रूप से मोहन भागवत का जारी वीजा रद्द करने और भविष्य में उनके अमेरिका प्रवेश को रोकने पर विचार करने की मांग की। यह ध्यान रखना जरूरी है कि यूएससीआईआरएफ एक अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता संबंधी सलाहकारी आयोग है; उसकी सिफारिश अपने आप में अमेरिकी सरकार का वीजा रद्द करने का आदेश नहीं है। अमेरिकी एजेंसी ने भी स्पष्ट किया है कि आयोग की

सिफारिशें बाध्यकारी नहीं हैं और अमेरिकी सरकार ने इन सिफारिशों पर कोई कार्रवाई घोषित नहीं की है।

साथियों, भारत के विदेश मंत्रालय ने यूएस सीआईआरएफ को पहले भी बियज्ड यानी पक्षपाती संस्था बताते हुए उसकी विश्वसनीयता पर सवाल उठाए हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने 21 अगस्त 2026 को कहा कि यह संस्था लंबे समय से भारत के बारे में डिस्पैराइजिंग एंड इम्फैलामेटरी टिप्पणियां करती रही है और उसके अपने एजेंडे हैं, इसलिए भारत को ऐसी संस्था से दूरी रखनी चाहिए। इस प्रकार एक ओर अमेरिकी आयोग भारत में धार्मिक स्वतंत्रता को लेकर दबाव बढ़ा रहा है, तो दूसरी ओर भारत सरकार आयोग की पद्धति और निष्पक्षता पर ही सवाल खड़ा कर रही है। दिलचस्प बात यह है कि 2026 का विवाद अचानक पैदा नहीं हुआ। इसका एक स्पष्ट इतिहास 2018 के शिकागो तक जाता है। सितंबर 2018 में मोहन भागवत वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस में शामिल होने के लिए शिकागो पहुंचे थे। उस समय लगभग 2,500 प्रतिनिधि 60 देशों से सम्मेलन में आए थे। आयोजन का उद्देश्य वैश्विक हिंदू समुदाय को एक मंच पर लाना और हिंदू समाज से जुड़े सामाजिक आर्थिक, राजनीतिक तथा सांस्कृतिक मुद्दों पर चर्चा करना था। लेकिन कार्यक्रम के बाहर और भीतर विरोध भी हुआ। साथियों, 2018 में शिकागो साउथ एशियन फॉर जस्टिस से जुड़े प्रदर्शनकारियों ने वर्ल्ड हिंदू कांग्रेस में घुसकर स्टॉप हिंदू फसकीज़ और आरएसएस टर्न अराउंड, वुई डू नॉट वांट यू इन टाउन जैसे नारे लगाए। दो प्रदर्शनकारियों को डिसऑर्डरली कंडक्ट और ट्रेसपासिंग के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि वे भारतीय सरकार की अल्पसंख्यकों से जुड़ी नीतियों का विरोध कर रहे हैं और हिंदू राष्ट्रवाद के बढ़ते प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। उसी समय सिख कोऑर्डिनेशन कमिटी ईस्ट कोस्ट ने भी भागवत और उत्तर प्रदेश के तत्कालीन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के खिलाफ विरोध की तैयारी की थी और उन पर हिंदुत्व को बढ़ावा देने तथा सिख पहचान को प्रभावित करने का आरोप लगाया था।

भुजलिया: प्रकृति और शौर्य की अनूठी लोक-परंपरा

हेमेन्द्र क्षीरसागर

मध्य भारत विशेषकर बुंदेलखंड, महाकौशल, छत्तीसगढ़ और मालवा में रक्षाबंधन के अगले दिन भाद्रपद प्रतिपदा को मनाया जाने वाला भुजलिया, भुजरिया या कजलिया पर्व महज एक धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि प्रकृति-पूजन, वीरता के गौरवशाली इतिहास और मानवीय संबंधों को प्रगाढ़ करने का एक जीवंत लोक-उत्सव है। यह पर्व कृषि-संस्कृति के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करता है। पुराने मनमुटाव भूलकर सामाजिक भाईचारे की नींव को मजबूत करता है।

लोक-संस्कृति की अटूट आस्था: भुजलिया पर्व की जड़ें सीधे मिट्टी और किसान जीवन से जुड़ी हैं। श्रावण मास की अष्टमी या नवमी को टोकरियों में मिट्टी बिछाकर बोए गए गेहूं या जौ के अंकुर जिन्हें भुजरिया या कजलिया कहा जाता है। आगामी फसल की उपज और संपन्नता का पूर्व-संकेत माने जाते हैं। प्रकृति से एकात्म जौ अंकुरों का हरा-भरा विकास अच्छी वर्षा और उर्वरता का प्रतीक है। वहीं सामूहिक विसर्जन के समय महिलाएं



और बालिकाएं लोकगीत गाते हुए इन भुंजरियों का पूजन कर जलाशयों में विसर्जन करती हैं। यह जल और भूमि के प्रति लोक-संस्कृति की अटूट आस्था को दर्शाता है।

विजयोत्सव के रूप में

इस त्योहार की पृष्ठभूमि में बुंदेलखंड का वीरता से भरा इतिहास रचा-बसा है। ऐतिहासिक मान्यताओं के अनुसार महोबा का ऐतिहासिक संग्राम 12वीं सदी में जब दिल्ली के शासक पृथ्वीराज चौहान ने महोबा की राजकुमारी चंद्रावली का अपहरण करने के उद्देश्य से

आक्रमण किया। तब आल्हा, ऊदल, मलखान और अभई जैसे वीरों ने अपनी मातृभूमि और स्वाभिमान की रक्षा के लिए प्राणों की बाजी लगा दी। युद्ध में विजय प्राप्त करने के बाद नगरवासियों ने कजलियों से अपने वीरों का स्वागत किया था। तब से यह पर्व स्वाभिमान, रक्षा और विजयोत्सव के रूप में मनाया जाने लगा।

सामाजिक समरसता का संदेश: भुजलिया पर्व की सबसे बड़ी विशेषता इसका 'कजलिया मिलन' का स्वरूप है। विसर्जन के बाद

अंकुरित भुजरियों के तिनके एक-दूसरे को भेंट कर बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है और हमउम्र लोग गले मिलते हैं। पारंपरिक रूप से मान्यता है कि इस दिन यदि किसी से कोई व्यक्तिगत कटुता या मनमुटाव हो, तो भुजरिया देकर उसे समाप्त कर दिया जाता है। यह परंपरा जाति और वर्ग की सीमाओं से परे जाकर समाज को एकजुट करने का अद्भुत काम करती है। निश्चित ही यह पर्व सामाजिक समरसता का जीवंत संदेश है।

आधुनिक प्रासंगिकता: आज के तकनीकी और भौतिकवादी दौर में, जहां मानवीय संवेदनाएं और पारंपरिक संबंध कमजोर हो रहे हैं, भुजलिया जैसे लोक-पर्व की प्रासंगिकता और बढ़ जाती है। यह पर्व हमें याद दिलाता है कि हमारी सांस्कृतिक जड़ें प्रकृति के संरक्षण, मिट्टी के सम्मान, इतिहास के शौर्य और आपसी समरसता में छिपी हैं। कजलिया या भुजरिया का यह लोक-संस्कार केवल एक त्योहार नहीं, बल्कि पर्यावरण संवर्धन और सामूहिकता का एक कालातीत संदेश है।

विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के अंतर्गत वाराणसी में यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल का आयोजन

(संतोष कुमार सिंह) वाराणसी। युवाओं में नेतृत्व क्षमता, नवाचार एवं उद्यमिता को बढ़ावा देने तथा उन्हें विकसित भारत 2047 के संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2026 के अंतर्गत यंग प्रोफेशनल्स राउंडटेबल का आयोजन संत अतुलानंद कॉन्वेंट स्कूल कोइराजपुर वाराणसी में किया गया 7 कार्यक्रम की थीम इनोवेशन विथ ट्रेडिशन बिल्डिंग ए मोडर्न भारत रही 7 कार्यक्रम का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार, मेरा भारत (माय भारत), यंग इंडियन्स (इंडियन), काफ़ेंडेशन ऑफ़ इंडियन इंडस्ट्री (छद्मदृष्ट) के सहयोग से किया गया 7 कार्यक्रम में युवा प्रोफेशनल्स, उद्यमियों, शिक्षाविदों एवं विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े युवाओं ने सहभागिता की तथा विकसित

भारत के निर्माण में युवाओं की भूमिका पर सार्थक संवाद किया 7 कार्यक्रम में यंग इंडियन्स की महत्वपूर्ण सहभागिता रही 7 यंग इंडियन्स के चेयर हर्ष जैन, को-चेयर अविनव पेशवानी एवं पास्ट चेयर धवल प्रकाश ने कार्यक्रम में सहभागिता करते हुए युवाओं को नेतृत्व, नवाचार, उद्यमिता एवं सामाजिक उत्तरदायित्व के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया 7 कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण के रूप में आयोजित पैनल चर्चा में चिराग माहेश्वरी, कौशिक अग्रवाल एवं शैला धनुका ने पैनलिस्ट के रूप में सहभागिता की 7 पैनलिस्टों ने युवाओं के साथ संवाद करते हुए आधुनिक भारत के निर्माण, नवाचार, तकनीक, उद्यमिता, शिक्षा और सामाजिक विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर अपने विचार साझा किए 7 चिराग माहेश्वरी ने



पारंपरिक हस्तशिल्प को आधुनिक डिजाइन एवं वैश्विक बाजार से जोड़ने तथा नवाचार के माध्यम से व्यवसाय को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने की संभावनाओं पर चर्चा की 7 उन्होंने कहा कि भारतीय परंपरा एवं संस्कृति को आधुनिक सोच के साथ जोड़कर युवाओं के लिए नए आर्थिक एवं व्यावसायिक

अवसर तैयार किए जा सकते हैं 7 कौशिक अग्रवाल ने उन्नत तकनीक एवं सतत विकास आधारित समाधानों पर अपने विचार रखते हुए भारतीय उद्योगों को मजबूत बनाने तथा भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनाने में युवाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला 7 उन्होंने युवाओं से

तकनीकी ज्ञान और नवाचार का उपयोग देश के विकास के लिए करने का आह्वान किया 7 शैला धनुका ने बाल सुरक्षा, डिजिटल जागरूकता एवं शिक्षा में नवाचार जैसे विषयों पर चर्चा की 7 उन्होंने युवाओं को डिजिटल माध्यमों के जिम्मेदार उपयोग, सकारात्मक सोच तथा शिक्षा के क्षेत्र में नई तकनीक एवं नवाचार को अपनाने के लिए प्रेरित किया।

पैनल चर्चा के दौरान यंग माइंड्स बोल्ड आइडियाज स्ट्रॉगर भारत की भावना के अनुरूप युवाओं को अपने विचार खुलकर रखने का अवसर दिया गया 7 प्रतिभागियों ने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को लेकर अपने विचार, सुझाव एवं अनुभव साझा किए तथा भारत के भविष्य को लेकर नए एवं प्रभावी समाधान प्रस्तुत किए 7 कार्यक्रम में इस

बात पर विशेष जोर दिया गया कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक एवं पारंपरिक विरासत को संरक्षित रखते हुए आधुनिक तकनीक, नवाचार और नई सोच को अपनाकर एक आधुनिक, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत का निर्माण किया जा सकता है 7 युवाओं को अपनी परंपराओं से जुड़े रहते हुए वैश्विक स्तर की सोच विकसित करने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के दौरान युवा नेतृत्व, उद्यमिता, नवाचार, तकनीक, सतत विकास, डिजिटल जागरूकता, शिक्षा तथा सामाजिक उत्तरदायित्व जैसे विषयों पर सार्थक विचार-विमर्श हुआ 7 प्रतिभागियों ने अपने-अपने क्षेत्रों में सकारात्मक परिवर्तन लाने तथा राष्ट्र निर्माण में सक्रिय योगदान देने की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

फिरोजाबाद जिला कारागार में उमड़ा भाई-बहन के प्यार का सैलाब, करीबन 900 से अधिक बहनों ने जेल में बंद भाइयों को बांधी राखी

फिरोजाबाद, जीएनएस। पवित्र पर्व रक्षाबंधन के अवसर पर आज फिरोजाबाद जिला कारागार में भावुक और अनोखा नजारा देखने को मिला। जेल में बंद भाइयों की कलाई पर राखी बांधने के लिए सुबह से ही हजारों बहनों जिला कारागार के बाहर पहुंच गईं। बहनों ने जेल के अंदर जाकर अपने भाइयों की कलाई पर राखी बांधी, माथे पर तिलक किया और मुंह मीठा कराकर उनकी लंबी उम्र की दुआ मांगी। कई बहनें अपने भाइयों से मिलकर रोती-बिलखती नजर आई और बाहर निकलते समय आंसू पोंछते हुए दिखीं। जेल अधीक्षक अमित चौधरी ने दी जानकारी इस पूरे मामले पर जिला कारागार अधीक्षक अमित चौधरी ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि - > रक्षाबंधन के पावन पर्व पर सुबह 8 बजे से दोपहर 12 बजे तक सभी बहनों को अपने

भाइयों से मिलने की अनुमति दी गई थी। करीब 900 से अधिक बहनों ने अपने बंदी भाइयों को राखी बांधी है साथ ही उन्होंने बताया कि बहनों की सुविधा के लिए जेल प्रशासन ने सारे पुख्ता इंतजाम किए थे, जिससे किसी भी बहन को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा इतना ही नहीं आज अपने भाइयों से बिना मिले कोई भी बहन आज वापस नहीं जाएगी चप्पे-चप्पे पर पुलिस तैनात: सुरक्षा व्यवस्था के कड़े इंतजाम किए गए थे। चप्पे-चप्पे पर दर्जन भर महिला कांस्टेबल सहित पुलिस के जवान तैनात रहे। बैरिकेटिंग लगाकर एक-एक कर लाइन से सभी बहनों को जिला कारागार के अंदर प्रवेश दिया गया वहीं जिला कारागार को इस पावन पवित्र त्यौहार रक्षाबंधन के दिन बड़ी धूमधाम से सजाया गया है।

विशेष अभियान चलाया जा रहा है

ग्वालियर। कलेक्टर महोदय जिला ग्वालियर के निर्देशन एवं राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (NCPDR) के आदेशों के परिपालन में ग्वालियर जिले में बाल एवं कुमार श्रम विमुक्ति हेतु एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में आज जिला प्रशासन, श्रम विभाग और डिस्ट्रिक्ट टास्क फोर्स (छद्मदृष्ट) की संयुक्त टीम द्वारा गोले का मंदिर एवं मुरार थाना क्षेत्र के अंतर्गत बाल एवं कुमार श्रम विमुक्ति तथा पुनर्वास हेतु एक सघन रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इस रेस्क्यू ऑपरेशन के दौरान टीम ने क्षेत्र के विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, ऑटो पार्ट्स और सर्विस सेंटरों का औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान अलग-अलग संस्थानों से बाल श्रम कर रहे 4 बच्चों को विमुक्त कराया गया। इन सभी बच्चों को तत्काल जिला बाल कल्याण समिति (छद्मदृष्ट) के समक्ष प्रस्तुत किया गया है, जहां उनके पुनर्वास और आगे की काउंसलिंग की प्रक्रिया पूरी की जा रही है। अभियान के तहत बाल श्रम कराने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ नियमानुसार कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

व्यावसायिक गणों को माधव प्लाजा कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण कराया

ग्वालियर, जीएनएस। सुधीर गुप्ता वाइस चेयरमैन ग्वालियर प्राधिकरण द्वारा माधव प्लाजा कॉम्प्लेक्स का उद्योगपति एवं व्यवसाय गणों को निरीक्षण कराया जिसमें खाली बड़े हॉल, पीवीआर, और दुकानें शामिल रही इस अवसर पर प्रसिद्ध उद्योगपति पीतांबर लोकवानी, सुनील गुप्ता, निमेष जैन नरेश अग्रवाल, मुकेश बसवानी, जीडीए के



अधिकारीगण श्री डीडी मिश्रा एस.ई., देवेन्द्र गुप्ता ई.ई., संदीप तिवारी सहित अन्य व्यावसायिक गण उपस्थित रहे।

विनियमित श्री अभिषेक शर्मा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी

ग्वालियर, जीएनएस। दिए गए कार्यों में लापरवाही बरतने पर विनियमित श्री अभिषेक शर्मा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया है। अपर आयुक्त श्री टी प्रतीक राव द्वारा जारी आदेशानुसार कार्यसुविधा एवं प्रशासनिक दृष्टि से विनियमित श्री अभिषेक शर्मा नवीन पदस्थापना कंट्रोल कमांड सेंटर स्मार्ट सिटी में की गई थी। किंतु आज दिनांक तक कंट्रोल कमांड सेंटर स्मार्ट सिटी में उपस्थिति दर्ज नहीं कराई गयी है। जिसके कारण आई. सी. सी. का कार्य प्रभावित हुआ है। जिस कारण विनियमित श्री अभिषेक शर्मा को कारण बताओ सूचना पत्र जारी किया गया।

कड़वाहट के बीच संवाद

रिश्तों में रूढ़ापन हो, बातों में तलखी आती है, दिल के कोने में मिलने की फ़ासफ़ा जगाती है। राखी सिर्फ़ धागा नहीं, विश्वास और सम्मान है, दूर हों चाहे रिश्ते, मन में फिर भी अपनापन है। मतभेद हों विचारों में, मन में द्वेष न पाले हम? शब्दों से पुल बनते हैं, क्यों? दीवारें डालें हम? सत्ता या सामान्य जीवन, भिन्नता भले राय रहे, संवाद का दीपक हर फ़ासधियारेफ़ में जलता रहे। कड़वे बोलों के मौसम में मिठास भी जरूरी है, रिश्ते बचाने के लिए झुकना भी तो मजबूरी है। राखी का संदेश यही है मन से मन की दूरी घटे, विचार अलग हों तो संवाद कभी न हमसे छूटे।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

पिछोर में कक्काजू का जनता दरबार: निज निवास करारखेड़ा में सुनीं ग्रामीणों की समस्याएं

पिछोर, जीएनएस। क्षेत्र के कद्दावर नेता और प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री के.पी. सिंह कक्काजू ने एक बार फिर अपने जनसेवक वाले अंदाज में लोगों का दिल जीत लिया। शुक्रवार को उन्होंने अपने गृह ग्राम करारखेड़ा स्थित निज निवास पर क्षेत्रीय लोगों की समस्याएं सुनीं और अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही समाधान कर दिया। सुबह 10 बजे से ही करारखेड़ा निवास पर पिछोर, खनियाधाना, भौती और मुहांसा क्षेत्र से आए ग्रामीणों का आना शुरू हो गया था। करीब 11 बजे पूर्व मंत्री कक्काजू कार्यकर्ताओं के बीच पहुंचे और बारी-बारी से

सभी की समस्याएं सुनीं। इस दौरान बिजली, पानी, राजस्व, पेंशन और सड़क से जुड़ी दर्जनों शिकायतें सामने आईं। ग्राम बामौरकलां से आए किसानों ने ट्रांसफार्मर खराब होने और लो-वोल्टेज की समस्या बताई। वहीं खनियाधाना क्षेत्र के ग्रामीणों ने नल-जल योजना में पानी नहीं आने की शिकायत की। कई बुजुर्ग अपनी वृद्धा पेंशन और बीपीएल सूची से नाम कटने की समस्या लेकर पहुंचे थे। कुछ किसानों ने नामांतरण और सीमांकन के मामलों में पटवारियों द्वारा चक्कर लगवाने की बात कही। पूर्व मंत्री ने सभी की बात गंभीरता से सुनी और वहीं से



संबंधित अधिकारियों को फोन लगाकर निर्देशित किया। बिजली विभाग के अधिकारियों को 24 घंटे में ट्रांसफार्मर बदलने और वोल्टेज सुधारने के निर्देश दिए। वहीं पीएचई विभाग को नल-जल योजना की जांच कर दो दिन में पानी सप्लाई शुरू कराने को कहा। राजस्व मामलों के लिए उन्होंने

तहसीलदार पिछोर से फोन पर बात कर कहा कि किसानों को बेवजह परेशान न किया जाए, सभी सीमांकन और नामांतरण के केस 7 दिन में निराकृत हों। सबसे खास बात यह रही कि करीब आधा दर्जन से अधिक मामलों का समाधान तो मौके पर ही हो गया। कक्काजू ने जनपद के

अधिकारी को फोन कर तत्काल प्रक्रिया शुरू कराई। इसी तरह ग्राम मुहांसा के दो छात्रों की छात्रवृत्ति का मामला भी वहीं से सुलझाया गया। जनता दरबार में कक्काजू ने कहा - मैं विधायक रहूँ या न रहूँ, जनता की सेवा ही मेरा धर्म है। करारखेड़ा मेरा घर है और यहां का हर व्यक्ति मेरे परिवार का सदस्य है। आपकी समस्या मेरी समस्या है।

अधिकारी नहीं सुनें तो सीधे मुझे बताएं, समाधान हर हाल में होगा। उन्होंने यह भी कहा कि 6 बार विधायक और मंत्री रहते हुए उन्होंने हमेशा क्षेत्र के विकास को प्राथमिकता दी है और आगे भी पिछोर के मान-सम्मान और

विकास के लिए लड़ते रहेंगे। इस दौरान कांग्रेस के वरिष्ठ नेता, सरपंच, जनपद सदस्य और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। लोगों ने कहा कि चुनाव हारने के बाद भी कक्काजू जिस तरह लगातार क्षेत्र में सक्रिय हैं और लोगों के बीच रहकर उनकी मदद कर रहे हैं, वह काबिले तारीफ है। दोपहर करीब 2 बजे तक चले इस जनता दरबार में करीब 150 से अधिक लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। क्षेत्र के लोगों का कहना है कि करारखेड़ा का यह निज निवास हमेशा से ही गरीब, किसान और आम लोगों के लिए खुला रहा है और कक्काजू आज भी उसी परंपरा को निभा रहे हैं।

यादों में बसे हैं सावन के झूले...

सावन को बहुत पवित्र महीना माना जाता है। मान्यता है कि सावन में माता पार्वती ने भगवान शिव की तपस्या करके उन्हें पाया था। सावन दक्षिणायन में आता है जिसके देवता शिव हैं। इसीलिए इन दिनों उन्हीं की आराधना शुभ फलदायक होती है। सावन के महीने में बहुत वर्षा होती है। इसलिये इसे वर्षा ऋतु का महीना या पावस ऋतु भी कहा जाता है।

तुम्हें गीतों में ढालूंगा सावन को आने दो। ऐसे गाने सावन आते ही लोगों की जुबान पर खुद-ब-खुद आ जाते हैं। पहले सावन शुरू होते ही गांव की गलियों से लेकर शहरों तक झूले पड़ते थे। महिलाएं झूला झूलतीं और गाती थीं। सावन व भादो का महीना हमें प्रकृति के और निकट ले जाता है। झूले झूलने के दौरान गाये जाने वाले गीत मन को सुकून देते हैं। झूले गांव के बागीचों, मंदिर के परिसरों में डाले जाते थे।

भारतीय संस्कृति में झूला झूलने की परम्परा वैदिक काल से ही चली आ रही है। श्री कृष्ण राधा संग झूला झूलते और गोपियों संग रास रचाते थे। मान्यता है कि इससे प्रेम बढ़ने के अलावा प्रकृति के निकट जाने एवं उसकी हरियाली बनाये रखने की प्रेरणा मिलती है। एक दौर था जब लोगों को सावन के महीने का बेसब्री से इंतजार रहता था। लड़कियां ससुराल से मायके आती थीं। लेकिन अब ये परंपरा खत्म होती जा रही है। अब न तो झूले पड़ते हैं और न गीत सुनाई देते हैं।

सावन शुरू हो गया है लेकिन इसका एहसास ही नहीं हो रहा है। उमंग और खुमारी का संगम इसी महीने में हरियाली तीज पर खत्म होता था। सखियों को सुख-दुख बांटने, साथ बैठकर मेहदी लगाने की परंपरा फिर गीत गाना सब गुम हो चुका है। बच्चे अब झूले नहीं वीडियो गेम में मस्त रहते हैं। महिला संगठन भी अब किटी पार्टी जैसे आयोजनों तक सीमित हैं। झूले की परम्परा लुप्त होने के पीछे सबसे प्रमुख वजह मनोरंजन के भरपूर साधनों का



होना भी हैं।

सावन के आते ही गली-कूचों और बगीचों में मोर, पपीहा और कोयल की मधुर बोली के बीच युवतियां झूले का लुत्फ उठाया करती थीं। अब न तो पहले जैसे बाग-बगीचे रहे और न ही मोर की आवाज सुनाई देती है। अब बिना झूला झूले ही सावन गुजर जाता है।

वन माफियाओं के चलते गांवों में भी बाग-बगीचे नहीं बचे हैं। जहां युवतियां झूला डाल कर झूल सके। अब समय के साथ पेड़ गायब होते गए और उनके स्थान पर बहुमजिला इमारतों के बनने से आंगन का अस्तित्व समाप्त हो गया। ऐसे में सावन के झूले भी यादें बनकर हमारी परम्परा से गायब हो रहे हैं। जन्माष्टमी पर मंदिरों में सावन की एकादशी के दिन भगवान को झूला झूलाने की परम्परा जरूर अभी भी निभाई जा रही है। आज के समय में सावन के झूले नजर नहीं आने का

कारण जनसंख्या घनत्व में वृद्धि के साथ ही वृक्षों की कटाई है। लोग अब घर की छत पर या आंगन में लोहे के झूले पर झूलकर मन को संतुष्ट कर रहे हैं। बुद्धिजीवी वर्ग सावन के झूलों के लुप्त होने की प्रमुख वजह सुख सुविधा और मनोरंजन के साधनों में वृद्धि को मान रहे हैं। सावन में झूला झूलना मात्र आनंद की अनुभूति नहीं कराता अपितु यह स्वास्थ्यवर्धक प्राचीन योग भी है। सावन में चारों तरफ हरियाली छाई होती है। हरा रंग आंखों पर अनुकूल प्रभाव डालता है। इससे नेत्र ज्योति बढ़ती है। झूला झूलते समय श्वांस-उच्छ्वास लेने की गति में तीव्रता आती है। इससे फेफड़े सुदृढ़ होते हैं। इसके साथ ही झूलते समय श्वांस अधिक भरा, रोका एवं वेग से छोड़ा जाता है। इससे नवीन प्रकार का प्राणायाम पूर्ण हो जाता है जो स्वास्थ्य वर्धक है। झूलते समय रस्सी पर हाथों की पकड़ सुदृढ़ होती है। इसी प्रकार खड़े

होकर झूलते समय झूले को गति देने बार-बार उठक-बैठक लगानी पड़ती है। इन क्रियाओं से एक ओर हाथ, हथेलियों और उंगलियों की शक्ति बढ़ती है वहीं दूसरी ओर हाथ-पैर और पीठ-रीढ़ का व्यायाम हो जाता है।

गांवों की बुजुर्ग महिलायें बताती हैं कि सावन आते ही बेटियां ससुराल से मायके बुला ली जाती थीं और पेड़ों पर झूला डाल कर झूलती थीं। त्योहार में बेटियों को ससुराल से बुलाने की परम्परा तो आज भी चली आ रही है। लेकिन जगह के अभाव में न तो कोई झूला झूल पाता है और न ही अब मोर, पपीहा व कोयल की सुरीली आवाज ही सुनने को मिलती है। दस साल पहले तक यहां रक्षाबंधन तक झूले का आनंद लिया जाता था। गांव के पेड़ पर मोटी रस्सी से झूला डाला जाता था और सारे गांव की बहन-बेटियां झूलती थीं। अब पेड़ ही नहीं हैं तो झूला कहाँ डालें।

सावन के महीने में नवविवाहित महिलाओं को अपने मायके जाने की परम्परा राजस्थान में तो आज भी चली आ रही है।

अब वक्त ने ऐसी करवट ली है कि सावन तो आता है पर अपने रंग नहीं बिखेर पाता। जिस सावन के आते ही नववधु ससुराल से मायके पहुंच जाती थी। अब वैसा सावन नहीं होता है। झूले की परम्परा लुप्त होने के साथ ही सावन भादों की खुशबू अब कहीं नहीं दिखती है। कुछ स्थानों को छोड़ कर लोग इसका आनंद नहीं ले पा रहे हैं। झूलों के नहीं होने से हमें लोक संगीत भी सुनने को नहीं मिलता है। आधुनिकता की दौड़ में प्रकृति के संग झूला झूलने की बात अब कहीं नहीं दिखती है। आज से दो दशक पहले तक झूलों और मेहदी के बिना सावन की परिकल्पना भी नहीं होती थी।

झूला झूलने के खत्म हुए रिवाज के लिए गांवों में फैल रही वैमनष्यता भी जिम्मेदार हैं। पहले गांव के लोग हर बहन-बेटी को अपनी मानते थे लेकिन अब जमाना बदल गया है। जिसके हाथ में रक्षा सूत्र बांधा जाता है वही भक्षक बन जाता है। बाग-बगीचों के खात्मे के साथ जहां मोर-पपीहों की संख्या घटी है वहीं भाईचारे में कमी आई है। नतीजतन झूला-झूलने की परम्परा को ग्रहण लग गया है। पहले संयुक्त परिवार में बड़े-बूढ़ों के सानिध्य में लोग एक दूसरे के घरों में एकत्रित होते थे।

आज बढ़ती एकल परिवार की प्रवृत्ति ने आपसी स्नेह को खत्म कर दिया है। महिलाएं सामुदायिक केन्द्रों में जाकर पर्व मनाती हैं। शहरों में अब झूले डालने के लिए जगह की तलाश करनी पड़ती है। अब तो पारम्परिक पहनावा भी आधुनिकता की भेंट चढ़ गया है। अब छुट्टी के दिन लोग परिवार के साथ बाग-बगीचों में जाकर सावन का त्यौहार मनाने की रस्म पूरी करते हैं। वर्षा ऋतु में सावन की खूबियां अब किताबों तक ही सीमित रह गई हैं। अब प्रकृति के साथ जीने की परम्परा भी थमती सी जा रही है।

पुस्तकें : समाज का जीवंत आईना

डॉ. विजय गर्ग

पुस्तकें केवल छपे हुए शब्दों का संग्रह नहीं हैं। वे मानव अनुभवों का दस्तावेज़, सामाजिक परिवर्तन का प्रतिबिम्ब तथा विभिन्न पीढ़ियों के मूल्यों, सपनों और संघर्षों की वाहक हैं। वास्तव में, पुस्तकें समाज का जीवंत आईना हैं। जब हम अलग-अलग कालखंडों की पुस्तकें पढ़ते हैं, तो हम केवल कहानियाँ नहीं पढ़ते, बल्कि उस समय के लोगों, संस्कृतियों, मान्यताओं, संघर्षों और आकांक्षाओं से भी परिचित होते हैं।

साहित्य का समाज से हमेशा गहरा संबंध रहा है। लेखक अपने आसपास की दुनिया का अवलोकन करते हैं और अपने अनुभवों को शब्दों का रूप देते हैं। कोई उपन्यास पारिवारिक संबंधों का चित्रण कर सकता है, कविता सामाजिक पीड़ा को अभिव्यक्त कर सकती है, जीवनी किसी व्यक्ति के संघर्षों को सामने ला सकती है और इतिहास की पुस्तक पूरी सभ्यता की स्मृतियों को सुरक्षित रख सकती है। ये सभी मिलकर मानव जीवन की एक समृद्ध

तस्वीर प्रस्तुत करते हैं।

पुस्तकें यह भी बताती हैं कि समाज किस प्रकार बदलता है। एक पीढ़ी की चिंताएँ दूसरी पीढ़ी से बिल्कुल अलग हो सकती हैं। पहले के साहित्य में गाँव का जीवन, संयुक्त परिवार, कृषि, परंपराएँ और सामुदायिक संबंध प्रमुख विषय हुआ करते थे। आधुनिक पुस्तकों में शहरीकरण, तकनीक, बदलते करियर, व्यक्तिगत पहचान, पर्यावरणीय चिंताएँ और डिजिटल जीवन के प्रभाव जैसे विषय तेजी से दिखाई देते हैं। इस प्रकार पुस्तकें सामाजिक परिवर्तन का दस्तावेज़ बन जाती हैं।

पुस्तकों की सबसे बड़ी शक्तियों में से एक यह है कि वे उन लोगों को आवाज़ देती हैं, जिनके अनुभव अन्यथा अनदेखे रह सकते हैं। लेखकों ने गरीबी, असमानता, भेदभाव, प्रवासन, बाल श्रम, महिलाओं के संघर्ष और वंचित समुदायों के जीवन को शब्द दिए हैं। ऐसा साहित्य पाठकों को उन वास्तविकताओं को समझने में मदद करता है, जिनका उन्होंने स्वयं अनुभव नहीं किया होता। इस

प्रकार एक पुस्तक आँकड़ों और रिपोर्टों से आगे बढ़कर हमारे भीतर संवेदना और सहानुभूति पैदा कर सकती है।

पुस्तकें संस्कृति की संरक्षक भी हैं। भाषा, लोक परंपराएँ, त्योहार, रीति-रिवाज, खान-पान, वेशभूषा, संगीत और स्थानीय ज्ञान साहित्य में सुरक्षित रहते हैं। तेजी से बदलती दुनिया में पुस्तकें सांस्कृतिक स्मृतियों को विलुप्त होने से बचा सकती हैं। जब कोई बच्चा पिछली पीढ़ियों की परंपराओं के बारे में पढ़ता है, तो उसे यह समझने का अवसर मिलता है कि हमारा समाज कहाँ से आया है और उसकी सांस्कृतिक जड़ें कितनी गहरी हैं।

लेकिन पुस्तकें केवल समाज का प्रतिबिम्ब ही नहीं होतीं, वे समाज को प्रभावित भी करती हैं। अनेक सामाजिक सुधारों के पीछे साहित्य और विचारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। प्रभावशाली लेखन अन्याय को चुनौती दे सकता है, पुरानी और अनुपयोगी मान्यताओं पर प्रश्न उठा सकता है तथा लोगों को नए ढंग से सोचने के लिए

प्रेरित कर सकता है। एक विचार लेखक के मन में जन्म लेता है, लेकिन धीरे-धीरे वह सार्वजनिक चर्चा और सामाजिक परिवर्तन का आधार बन सकता है।

युवाओं के लिए पुस्तकों का महत्व विशेष रूप से अधिक है। पढ़ने से विद्यार्थियों को अलग-अलग व्यक्तित्वों, संस्कृतियों और विचारों को समझने का अवसर मिलता है। इससे कल्पनाशक्ति विकसित होती है और वे अपने सीमित परिवेश से बाहर की दुनिया को समझ पाते हैं। अच्छी पुस्तक बिना किसी औपचारिक उपदेश के करुणा, साहस, ईमानदारी, जिम्मेदारी और सम्मान जैसे मूल्यों को विकसित कर सकती है।

आज के डिजिटल युग में पुस्तकों और समाज के बीच संबंध एक नए दौर से गुजर रहा है। स्मार्टफोन, सोशल मीडिया, वीडियो और कृत्रिम बुद्धिमत्ता ने सूचना प्राप्त करने के हमारे तरीके को बदल दिया है। छोटे और त्वरित डिजिटल कंटेंट से तुरंत जानकारी मिल सकती है, लेकिन पुस्तकें कुछ अलग प्रदान करती हैं—गहराई,

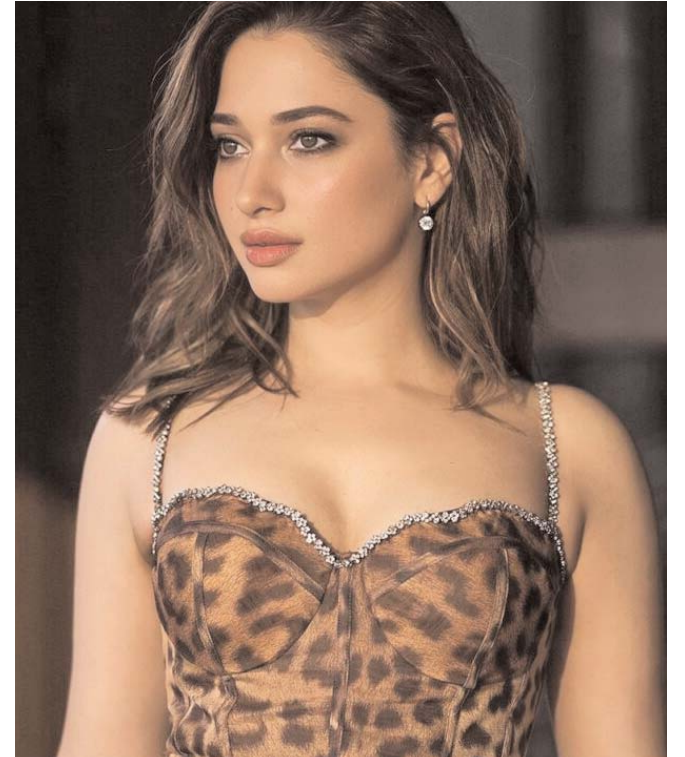
निरंतरता और चिंतन। पुस्तक पाठक को किसी विचार के साथ पर्याप्त समय बिताने तथा उसकी पृष्ठभूमि, जटिलता और परिणामों को समझने का अवसर देती है।

आज चुनौती केवल पुस्तकों की उपलब्धता की नहीं, बल्कि पढ़ने की आदत को बनाए रखने की भी है। बहुत से लोग डिजिटल सामग्री देखने में घंटों बिताते हैं, लेकिन लगातार कुछ मिनट पढ़ना भी कठिन समझते हैं। इससे एकाग्रता, धैर्य और गहराई से विचार करने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। इसलिए विद्यालयों, पुस्तकालयों, परिवारों और समुदायों की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है कि वे पढ़ने की संस्कृति को फिर से मजबूत करें।

एक स्वस्थ समाज को स्वस्थ पठन-संस्कृति की आवश्यकता होती है। विद्यालयों में विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे भी पढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया जाना चाहिए। पुस्तकालय केवल किताबों से भरे कमरे न होकर जिज्ञासा, खोज और विचार-विमर्श के आकर्षक केंद्र बनने चाहिए। माता-

पिता और शिक्षक बच्चों को उनकी आयु और रुचि के अनुरूप साहित्य से परिचित करा सकते हैं। पढ़ना अतिरिक्त शैक्षणिक बोझ नहीं, बल्कि आनंददायक और जीवनभर चलने वाली आदत बनना चाहिए।

पुस्तकें पीढ़ियों को जोड़ने का काम भी करती हैं। दादा-दादी अपनी युवावस्था में पढ़ी किसी पुस्तक को याद कर सकते हैं, माता-पिता उसी लेखक की रचनाओं से परिचित हो सकते हैं और बच्चे उसी कृति को डिजिटल संस्करण के माध्यम से खोज सकते हैं। इस प्रकार पुस्तकों से जुड़ी साझा स्मृतियाँ पीढ़ियों के बीच संवाद पैदा करती हैं। पुस्तकें अतीत और वर्तमान के बीच पुल बन जाती हैं। हर समाज में ऐसी कहानियाँ होती हैं जिन्हें याद रखा जाना चाहिए। कुछ कहानियाँ हमारी उपलब्धियों को बताती हैं, जबकि कुछ हमारी गलतियों की याद दिलाती हैं। कुछ प्रगति का उत्सव मनाती हैं, तो कुछ हमें अन्याय को दोहराने से सावधान करती हैं। पुस्तकें इन दोनों प्रकार की स्मृतियों को सुरक्षित रखती हैं।



तमन्ना भाटिया का ब्यूटी ट्रीटमेंट पर बयान

कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट अब आम

मुंबई, जीएनएस।

बॉलीवुड की लोकप्रिय अभिनेत्री तमन्ना भाटिया को अक्सर उनके खूबसूरत चेहरे और बेदाग त्वचा के चलते 'मिल्की ब्यूटी' कहा जाता है। हालांकि, उनकी गोरी रंगत को लेकर कई बार सवाल भी उठाए गए हैं। कुछ लोगों का मानना है कि तमन्ना ब्यूटी ट्रीटमेंट या कॉस्मेटिक प्रोसीजर का सहारा लेती हैं। इंडस्ट्री में इस तरह के ट्रीटमेंट को लेकर सेलेब्स अक्सर ट्रोलिंग का शिकार होते हैं। हाल ही में एक्ट्रेस शेफाली जरीवाला की अचानक मौत के बाद यह मुद्दा और भी सुर्खियों में आ गया। इस बीच, तमन्ना भाटिया ने इस संवेदनशील विषय पर खुलकर अपनी राय रखी है।

हाल ही में अपने एक इंटरव्यू में तमन्ना ने कहा कि ऐसे मुद्दों पर चर्चा करना आसान है क्योंकि लोग सेलेब्स की जिंदगी को सार्वजनिक मानते हैं। उन्होंने कहा, 'मीडिया की नजरों में रहने वाले लोगों के बारे में बात करना बहुत आसान होता है। क्योंकि आप उनकी जिंदगी के बारे में जानते हैं। लेकिन बहुत सारे ऐसे लोग हैं

जिनके बारे में आप कुछ नहीं जानते और जान भी नहीं पाएंगे। इन मुद्दों पर चर्चा करने से हम कहीं नहीं पहुंचते।

तमन्ना ने आगे बताया कि अब बोटोक्स और स्किन ट्रीटमेंट जैसे कॉस्मेटिक प्रोसीजर को टैबू नहीं माना जाता, लेकिन फिर भी सेलेब्स इस पर खुलकर बात करने से बचते हैं। उन्होंने कहा कि आज की पीढ़ी यानी जेन-जी इन बातों को लेकर अधिक सहज है।

जो भी ऐसा ट्रीटमेंट करवाते हैं, वो इस पर खुलकर बात करते हैं। लेकिन कई लोग इसलिए चुप रहते हैं क्योंकि वो जज नहीं होना चाहते। फिल्म इंडस्ट्री में काम कर रहे लोगों पर पहले ही काफी उंगलियां उठती हैं, इसलिए वे अपनी निजी जिंदगी शेयर करने में सहज नहीं होते।

तमन्ना का यह बयान इंडस्ट्री में सौंदर्य मानकों और उन पर लगे सामाजिक दबाव को उजागर करता है। उनका कहना है कि कॉस्मेटिक ट्रीटमेंट अब आम हो चुके हैं और हर व्यक्ति को अपनी पसंद से फैसले लेने का अधिकार है, बशर्ते उस पर जजमेंट न किया जाए।

पानी पीने का हर किसी के लिए एक पैमाना इस्तेमाल नहीं हो सकता

अक्सर शरीर में पानी की पर्याप्त मात्रा बनाये रखने के लिए रोजाना आठ गिलास पानी पीने की सलाह दी जाती है। हालांकि, हर किसी के लिए एक ही पैमाना इस्तेमाल नहीं हो सकता। आइए, जानते हैं कि किसे हर दिन कितना पानी पीना चाहिए? गर्म जलवायु में रहने वाले व्यक्ति या नियमित रूप से व्यायाम करने वाले लोगों को ज्यादा पानी पीने की जरूरत होती है। मांसपेशियों के ऊतकों में वसा ऊतक की तुलना में ज्यादा पानी होता है, इसलिए ज्यादा मांसपेशियों वाले लोगों को ज्यादा पानी की जरूरत होती है। बड़े व्यक्तियों को भी ठीक से हाइड्रेटेड रहने के लिए आम तौर पर ज्यादा पानी की जरूरत होती है। शारीरिक गतिविधियां पसीने और सांस के जरिये पानी की कमी को बढ़ाती है, इसलिए ज्यादा तीव्र या लंबे समय तक व्यायाम करने के लिए ज्यादा पानी की जरूरत होती है। गर्म और आर्द्र जलवायु में पसीना

प्रत्येक व्यक्ति की होती है अलग-अलग जरूरतें



ज्यादा आता है, जिससे पानी की जरूरत बढ़ जाती है। ऊंचाई पर रहने से सांस तेज हो सकती है और मूत्र की मात्रा बढ़ सकती है, जिससे पानी की जरूरत बढ़ जाती है।

बुखार, दस्त और उल्टी जैसी स्थितियों के कारण भी पानी की कमी ज्यादा होती है और इसलिए ज्यादा तरल पदार्थ के सेवन की जरूरत होती है।

ज्यादा मात्रा में नमक या प्रोटीन का सेवन करने से शरीर की पानी की जरूरत बढ़ जाती है। गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को बच्चे और दूध उत्पादन को सहारा देने के लिए अतिरिक्त तरल पदार्थों की आवश्यकता होती है। ब्रिटेन की राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के अनुसार, लोगों को प्रतिदिन छह से आठ ग्लास तरल पदार्थ पीना चाहिए, जिसमें पानी और चीनी रहित पेय पदार्थ जैसे चाय और कॉफी शामिल हैं। हालांकि, गर्भवती महिलाओं, गर्म जलवायु में रहने वाली महिलाओं, बहुत सक्रिय लोगों या बीमारी से उबर रहे लोगों के लिए तरल पदार्थ की ज्यादा मात्रा आवश्यक हो सकती है। अनिवार्य रूप से, आपको पूरे दिन पर्याप्त तरल पीना चाहिए ताकि आपका मूत्र साफ और हल्का पीला हो। व्यक्तिगत शारीरिक संकेत भी आपके लिए पानी की सही मात्रा निर्धारित करने में

भूमिका निभाते हैं।

आपको एक दिन में आठ गिलास से ज्यादा या कम पानी की जरूरत हो सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि एक दिन में आठ गिलास पानी पीना कई लोगों के लिए बहुत ज्यादा हो सकता है। शोध ने सुझाव दिया कि हमारे दैनिक पानी के सेवन का लगभग आधा हिस्सा भोजन से आता है, इसलिए लोगों को प्रतिदिन केवल 1.5 से 1.8 लीटर पानी की आवश्यकता हो सकती है।

बता दें कि किसी भी जीव के स्वस्थ रहने के लिए पानी बहुत जरूरी है। एक व्यस्क इंसान के शरीर में आधे से ज्यादा हिस्सा पानी होता है। इलेक्ट्रोलाइट संतुलन बनाए रखने, चयापचय में सुधार, मूत्र के माध्यम से विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने और शरीर के तापमान को नियंत्रित करने के लिए यह आवश्यक है।

रक्षाबंधन पर उपसर्ग विधान आयोजित किया

ग्वालियर, जीएनएस।

आत्म साधना पावन वषायोग समिति और सकल दिगम्बर जैन समाज ग्वालियर की ओर से शुक्रवार को उत्साह एवं श्रद्धा के साथ धर्म रक्षा का पर्व रक्षा बंधन मनाया। नई सड़क स्थित चंपाबाग धर्मशाला में आज सुबह आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज एवं अनुमान सागर महाराज के मंगल सानिध्य में रक्षाबंधन पर उपसर्ग विधान में 700 मुनिराजों को अर्घ्य समर्पित करने के साथ भगवान श्रेयांसनाथ के मोक्षकल्याणक पर निर्वाण लड्डू चढ़ाया गया। वहीं आचार्य श्री और मुनिश्री एवं साधुओं की पिच्छिका

में रक्षा सूत्र बांधे गए।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि उपसर्ग विधान में मुनिश्री अनुमान सागर महाराज एवं पंडित स्वपनिल शास्त्री झांसी ने मंत्रों का उच्चारण के साथ जैन समाज के लोगो ने भगवान जिनेंद्र का कलशों से अभिषेक जयकारों के साथ की। वहीं आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज के मुख्यबिंद से शांतिधार का सौभाग्य सतीशचंद्र सिद्धार्थ चांदवाड़ परिवार ने की। आचार्य श्री के सानिध्य में 700 मुनि की पूजा विधान प्रारंभ हुआ। महिलाओं ने विधान के मंडल पर कलश स्थापना की। विष्णु कुमार मुनि एवं अकंपचार्य सहित 700



मुनियों की भजनों पर नृत्य के साथ पूजा करते हुए श्रावक, श्राविकाओं ने धर्म, देव, शास्त्र, गुरु, मंदिर की रक्षा के संकल्प के साथ मंडल पर 700 श्रीफल अर्पित किए। श्रीफल

अर्पित करने के लिए श्रावकों में होड़ लगी लगी हुई थी।

भगवान श्रेयांसनाथ के मोक्ष कल्याणक पर चढ़ाया निर्वाण लड्डू जैन समाज के प्रवक्ता सचिन

जैन ने बताया कि आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज एवं मुनिश्री अनुमान सागर महाराज के सानिध्य में भगवान श्रेयांस नाथ के मोक्ष कल्याणक पर निर्वाण लड्डू समर्पित बूंदी का लड्डू धरणेद्र कुमार संजय गोधा एवं शक्कर का लड्डू शरद इंदु निलेश सिम्मी बोहरा परिवार सहित ने भक्तों की भक्ति के साथ निर्वाण पाठ का वचन कर लाडू समर्पित किया। इस मौके पर आचार्य श्री के चरणों में श्रीफल भेंट समिति के डॉ वीरेंद्र गंगवाल, निर्मल पाटनी, विकास गंगवाल, विनय कासलीवाल, पंकज छाबड़ा, संजय गोधा आदि ने समर्पित किया।

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि आचार्य श्री चैत्य सागर महाराज की पिच्छिका में प्रथम सोने राखी भारती जैन शेरकोट परिवार ने बंधी। वहीं मुनिश्री अनुमान सागर महाराज की पिच्छिका में चांदी की राखी राजकुमार जैन मुंबई ने बंधी। वहीं गणिनी आर्यिका श्री शाश्वत श्री माताजी की पिच्छिका में चांदी की राखी धर्मेन्द्र प्रीति जैन ने बंधी। वहीं साधुओं की पिच्छिका में जैन समाज के पुरुष, महिला और बालिकाओं ने राखियां बंधने के उपरांत तीर्थ, संत, धर्म की रक्षा करने का संकल्प लिया।

विक्रय निषेध भूमि की बिना कलेक्टर की अनुमति के धड़ले से हो रही है रजिस्ट्री और नामांतरण

मामला ग्राम सोंठी का

गुना-सूत्रों से मिली जानकारी अनुसार जिले के ग्राम सोठी में बेस कीमती शासकीय भूमि हथियाने के प्रयास में सफल हुए शहर के कुछ नागरिक के विरुद्ध प्रशासन कार्रवाई करने में असहाय हो रहा है या फिर वह इन संभ्रांत नागरिकों के विरुद्ध कार्रवाई करने में अक्षम सिद्ध हो रहे हैं यह ज्ञात हो कि ग्राम सोंठी तहसील गुना स्थित भूमि सर्वे क्रमांक 11/2 रकबा 1.254 हेक्टर तथा भूमि सर्वे नंबर 11/3 रकबा 1.254 हेक्टर तथा सर्वे नंबर 11/2 रकबा 0.418 हेक्टर, कुल रकबा 2.926 हेक्टर पट्टा भूमि को बिना वैध अनुमति प्राप्त किया पट्टेदार ने भूमि विक्रय

कर दी थी जिन-जिन क्रेताओं ने बिना अनुमति प्राप्त क्रय की गई भूमि अन्य को विक्रय की उसकी बदस्तूर विक्रय पंजीयन विभाग में होता रहा और तहसील में भूमि स्वामी के रूप में नाम दर्ज होते रहे इस बेस कीमती जमीन को खुरद-बुरद करने में तहसील ग्रामीण के जिम्मेदार अधिकारी समय-समय पर सहयोग करते रहे भू-राजस्व अभिलेख खंगाला तो पाया कि उपरोक्त मानक भूमिया जिल्द-बंदोबस्त में सरकारी (कदीम) दर्ज हैं मध्य प्रदेश भू राजस्व संहिता कानून पट्टेदार या विक्रय-वर्जित के स्वामी को ही भूमि विक्रय अनुमति लेने का अधिकार देती है नाकि बिना अनुमति प्राप्त भूमि के खरीददारों

को विक्रय अनुमति आवेदन प्रस्तुत करने का अधिकार देती है सर्वे नं 11 राजस्व अनुसार 51 बीगा जिलदबंदोवस्त में (कदीम) शासकीय भूमि है, यहाँ यह बात स्पष्ट है कि शासकीय विक्रय निषेध भूमि या पट्टेधारी की भूमि कमिश्नर या किसी राजस्व अधिकारी की अनुमति लेकर बेंचा नहीं जा सकता ऐसी भूमि सरकार के स्वामित्व की होती है और उसका विक्रय पूर्णतह- अवैध है अगर यहाँ कोई विक्रय निषेध भूमियों को कोई प्लॉट बनाकर बेचता है तो सावधानी वरते कुछ वहरूपिये लोग शरीफ की चादर ओढ़कर यह धंधा प्रशासन से मिलकर कर खूब कर रहे हैं।

रोडवेज बसों की टिकट 78 रुपये की डग्गेमार वाहनों ने वसूले 100 रुपए

फिरोजाबाद, जीएनएस।

हिन्दुस्तान संवाद। रोडवेज बसों में भीड़ एवं घंटों इंतजार के चलते सवारियों को होने वाली परेशानी का फायदा डग्गेमार वाहनों ने जमकर उठाया। आगरा रामबाग चौराहा से फिरोजाबाद तक दौड़ने वाले डग्गेमार वाहनों ने रोडवेज से भी ज्यादा किराया वसूला। हर सवारी से डग्गेमार वाहन चालकों ने 100-100 रुपये वसूले। वहीं फिरोजाबाद से आगरा जाने वाले डग्गेमार वाहनों ने भी आम दिनों की तुलना में दो गुना तक किराया वसूला तथा रोडवेज बसों में जगह न मिलने के कारण मजबूरी में लोगों ने भी इन वाहनों में सफर किया।

रक्षाबंधन पर सरकार ने महिलाओं को फ्री बस यात्रा का तोहफा तो दिया, लेकिन सवारियों की संख्या को देखते हुए रोडवेज इंतजाम नहीं कर सका। नतीजा साफ रहा कि लोगों को आम दिनों की तुलना में ज्यादा किराया अदा करना पड़ा तथा इस मनमानी पर किसी का ध्यान भी नहीं गया। यातायात पुलिस सवारियों की भीड़ के चलते यातायात व्यवस्था को दुरस्त करने में जुटी थी। इसका फायदा डग्गेमार वाहनों ने जमकर उठाया।

जाम से कराहता रहा सुभाष चौराहा: टूंडला, नगर का सुभाष चौराहा रक्षाबंधन वाले

दिन जाम के झाम पर फंसकर कराहता रहा। इससे राहगीरों एवं वाहन चालकों को परेशानी का सामना के सुभाष चौराहा पर जाम की स्थिति बन गई जो देर रात्रि तक जारी रही। सारे दिन करना पड़ा। रक्षाबंधन पर मागों पर वाहनों की सुबह से भीड़ रही। सुबह से ही नगर चौराहा जाम से कराहता दिखाई दिया। चौराहा पर पुलिस तैनात थी, लेकिन इसके कारण बुरा हाल रहा। यही स्थिति नगर के एटा रोड की रही। जाम के कारण वाहन बाद भी जाम खत्म नहीं हुआ। आगरा एवं फिरोजाबाद सर्विस रोड का भी जाम से लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।



जेल में डीएम-एसएसपी का औचक निरीक्षण, बैरकों से लेकर भोजन व्यवस्था तक परखी

फिरोजाबाद, जीएनएस।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक आदित्य लांगे ने शनिवार को जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया। अधिकारियों के अचानक पहुंचने से जेल प्रशासन में खलबली मच गई। दोनों अधिकारियों ने सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए बैरकों का निरीक्षण किया।

अधिकारियों ने जेल में बंदियों को दिए जा रहे भोजन, साफ-सफाई, चिकित्सा सुविधाओं और अन्य मूलभूत व्यवस्थाओं को भी परखा। संबंधित अधिकारियों से

व्यवस्थाओं की जानकारी लेने के साथ आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

डीएम और एसएसपी ने कारागार प्रशासन को सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन कराने के निर्देश दिए। जेल परिसर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरुस्त रखने और बंदियों को शासन के निर्धारित मानकों के अनुसार सुविधाएं उपलब्ध कराने को कहा।

उन्होंने सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने तथा किसी भी तरह की अनियमितता नहीं होने देने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कारागार एवं प्रशासन के संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम के निरीक्षण में स्कूलों में मिली कम छात्र उपस्थिति, जताई नाराजगी

फिरोजाबाद, जीएनएस।

जिलाधिकारी संतोष कुमार शर्मा ने शनिवार को फिरोजाबाद ब्लॉक क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय नगला डरुआ, नगला खरसुली और उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला खरसुली का औचक निरीक्षण किया। कक्षाओं में पहुंचकर बच्चों से सवाल पूछे और पठन-पाठन का स्तर परखा। कम छात्र उपस्थिति मिलने पर उन्होंने नाराजगी जताते हुए सुधार के निर्देश दिए।

प्राथमिक विद्यालय नगला डरुआ में डीएम ने कक्षा पांच के छात्र मनीष से हिंदी की पुस्तक पढ़वाई। छात्र के पठन कौशल की सराहना करते हुए अन्य बच्चों का भी उत्साहवर्धन किया और टॉफी



बांटी। विद्यालय में 119 बच्चों के सापेक्ष 25 छात्र और पांच शिक्षक उपस्थित मिले। डीएम ने उपस्थिति पंजिका देखी और बच्चों की उपस्थिति बढ़ाने के निर्देश दिए।

विद्यालय में मध्याह्न भोजन निर्धारित मीनू के अनुसार बनता मिला। उन्होंने दिव्यांग शौचालय और साफ-सफाई व्यवस्था का भी निरीक्षण किया। प्रधानाचार्या ने

विद्यालय के सामने खाली पड़ी भूमि को खेल मैदान के लिए आवंटित कराने का अनुरोध किया। डीएम ने नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया।

इसके बाद जिलाधिकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय नगला खरसुली पहुंचे। उन्होंने बच्चों से शरीर के अंगों के नाम अंग्रेजी में पूछे, जिसका बच्चों ने सही जवाब दिया। यहां 74 पंजीकृत विद्यार्थियों के सापेक्ष 10 बच्चे उपस्थित मिले। डीएम ने पेयजल, शौचालय और उपस्थिति पंजिका की स्थिति देखी। परिसर में जर्जर आंगनवाड़ी केंद्र का भवन देखकर डीएम ने सुरक्षा के लिहाज से उसे तत्काल ध्वस्त कराने के निर्देश दिए।

रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में वृक्षों को बांधें रक्षा सूत्र

श्यापुर, जीएनएस।

रक्षाबंधन पर्व के उपलक्ष्य में जिले में पर्यावरण संरक्षण एवं वृक्षों की सुरक्षा का संदेश देने के उद्देश्य से आज ग्राम रायपुरा में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के उपरांत अधिकारियों द्वारा वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधे गए। इस दौरान अधिकारियों ने वृक्षों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लेते हुए आमजन को भी

पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक किया।

अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, एसडीएम श्री गगन मीणा, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय शाक्य, एसडीओपी श्री राजीव गुप्ता द्वारा नीम के वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधे गये। इस अवसर पर तहसीलदार श्री दीपेश धाकड़ सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय संस्कृति में रक्षाबंधन का पर्व प्रेम, विश्वास और सुरक्षा के संकल्प का प्रतीक है। इसी भावना को प्रकृति एवं पर्यावरण संरक्षण से जोड़ते हुए अधिकारियों ने वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधकर उनके संरक्षण का संदेश दिया। अधिकारियों ने कहा कि वृक्ष मानव जीवन के लिए अत्यंत महत्वपूर्ण हैं और स्वच्छ पर्यावरण के साथ-साथ

जीवनदायिनी ऑक्सीजन प्रदान करते हैं। ऐसे में प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि वह वृक्षों की सुरक्षा एवं संरक्षण में अपनी सहभागिता सुनिश्चित करे। रक्षाबंधन के उपलक्ष्य में वृक्षों को रक्षा सूत्र बांधने का उद्देश्य प्रकृति के प्रति अपने दायित्वों को समझना और पर्यावरण संरक्षण के लिए सामूहिक संकल्प लेना है।

श्रद्धांजलि, खेलो और सक्रिय रहो' से 'योगासन खेल' तक-फिट भारत की नई राह: योगाचार्य महेश पाल

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर योगाचार्य महेश पाल द्वारा योग सत्र के दौरान राष्ट्रीय खेल दिवस से संबंधित विशेष योग कराया और हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की उपलब्धियों पर चर्चा करते हुए बताया कि मैदान पर खिलाड़ी दौड़ता है, पसीना बहाता है और जीत के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ देता है। लेकिन क्या केवल मजबूत शरीर किसी खिलाड़ी को चैंपियन बना सकता है? नहीं। क्योंकि निर्णायक क्षण में शरीर के साथ दिमाग की शांति, सांसों पर नियंत्रण, एकाग्रता और संतुलन भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। यही वह जगह है जहां योग खेल विज्ञान से जुड़ता है और योगासन खिलाड़ी की तैयारी का महत्वपूर्ण हिस्सा बन सकता है। आज राष्ट्रीय खेल दिवस पर देश हॉकी के महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद को याद कर रहा है। वर्ष 2026 में राष्ट्रीय खेल दिवस के राष्ट्रव्यापी अभियान की थीम "Tribute, Play, and Move" है-यानी श्रद्धांजलि दें, खेलें और सक्रिय रहें। इस संदेश को यदि योगासन से जोड़ा जाए तो एक नया मंत्र सामने आता है "Tribute to Champions... Play with Passion... Move with Yoga." मेजर ध्यानचंद ने जिस दौर में भारतीय हॉकी को दुनिया में पहचान दिलाई, उस समय आधुनिक

स्पोर्ट्स साइंस की आज जैसी सुविधाएं उपलब्ध नहीं थीं। फिर भी उनका अनुशासन, अभ्यास, फिटनेस और खेल के प्रति समर्पण उन्हें महान बनाता था। आज के खिलाड़ी के सामने प्रतिस्पर्धा कहीं अधिक कठिन है। तकनीक, फिटनेस, डाइट और स्पोर्ट्स साइंस के साथ मानसिक तैयारी भी खेल प्रदर्शन का अहम हिस्सा बन चुकी है। इसीलिए अब सवाल केवल यह नहीं है कि खिलाड़ी कितना मजबूत है? सवाल यह भी है कि वह दबाव में कितना शांत और संतुलित रह सकता है, योग खिलाड़ी के लिए शरीर से आगे का विज्ञान है, योग को केवल लचीलेपन से जोड़ना इसकी क्षमता को सीमित करना होगा। उपयुक्त योगाभ्यास खिलाड़ी की प्रशिक्षण प्रक्रिया में फ्लेक्सिबिलिटी, मोबिलिटी बैलेंस, बॉडी अवेयरनेस, ब्रीदिंग कंट्रोल, कंसंट्रेशन और रिलैक्सेशन जैसे पहलुओं पर काम करने में सहायक होते हैं। खिलाड़ी के लिए योग के 5 महत्वपूर्ण आयाम

1. फ्लेक्सिबिलिटी। शरीर की गति और mobility को बेहतर बनाने में सहायता।
2. संतुलन। शरीर के संतुलन और नियंत्रण को विकसित करने में उपयोगी।
3. एकाग्रता। प्रतियोगिता के दबाव में ध्यान केंद्रित रखने की



क्षमता को मजबूत करने में सहायक।

4. श्वास पर नियंत्रण श्वसन के प्रति जागरूकता और नियंत्रित श्वास का अभ्यास।

5. रिकवरी रिलैक्सेशन प्रशिक्षण के बाद शरीर और मन को रिलैक्स करने में सहायता। योग किसी खेल का विकल्प नहीं है; यह खिलाड़ी की तैयारी को बेहतर बनाने वाला पूरक माध्यम हो सकता है। अब योग सिर्फ अभ्यास नहीं, प्रतियोगिता भी यही बदलाव योगासन स्पोर्ट्स को खास बनाता है। योगासन प्रतियोगिता में खिलाड़ी की स्थिरता, संतुलन, सटीकता, शरीर की alignment, नियंत्रण और प्रस्तुति जैसे पहलू महत्वपूर्ण होते हैं। अर्थात् खिलाड़ी केवल आसन नहीं करता वह अपने शरीर और मन पर नियंत्रण का प्रदर्शन करता है। यही कारण है कि योगासन खेल बच्चों और युवाओं के लिए

एक ऐसा मंच बन रहा है जहां वे फिटनेस के साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना भी विकसित कर सकें। गुना में योगाचार्य महेश पाल योग और योगासन को खेल के साथ जोड़ने की दिशा में निरंतर सक्रिय हैं। राष्ट्रीय स्तर पर योगासन निर्णायक एवं तकनीकी गतिविधियों से जुड़े योगाचार्य महेश पाल का विशेष जोर इस बात पर है कि बच्चों और खिलाड़ियों को योगासन के खेल आधारित और वैज्ञानिक स्वरूप से परिचित कराया जाए। उनका मानना है -खिलाड़ी की सफलता केवल उसकी शारीरिक शक्ति पर निर्भर नहीं करती। शरीर का संतुलन, श्वास का नियंत्रण, मन की एकाग्रता और दबाव में निर्णय लेने की क्षमता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। योग इन क्षमताओं के विकास में उपयोगी भूमिका निभाता है। गुना में योगासन प्रतियोगिताओं के

आयोजन और बच्चों को प्रतियोगी मंच उपलब्ध कराने के प्रयासों से स्थानीय स्तर पर योगासन को खेल के रूप में बढ़ावा मिल रहा है। इसमें सफलता भी मिल रही है इस बात का अंदाजा इस बार की जिला स्तरीय योगासन प्रतियोगिता में शामिल 151 प्रतिभागियों से लगाया जा सकता है जिसमें 10 साल से लेकर 55 साल तक के प्रतिभागी शामिल हुए, योगाचार्य महेश पाल ने इस राष्ट्रीय खेल दिवस पर बच्चों के लिए संदेश देते हुए कहा कि -बच्चों को केवल खेल सिखाना पर्याप्त नहीं है। उन्हें अपने शरीर को समझना, अपनी सांस को नियंत्रित करना और अपने मन को स्थिर रखना भी सिखाना होगा। यही एक सम्पूर्ण खिलाड़ी की पहचान है। हर खेल के खिलाड़ी के लिए योग का अलग महत्व है जिसमें, क्रिकेटर के लिए मोबिलिटी और एकाग्रता, फुटबॉलर के लिए बैलेंस और बॉडी कंट्रोल धावक के लिए- फ्लेक्सिबिलिटी और रिकवरी शूटर के लिए- एकाग्रता और ब्रीद अवेयरनेस पहलवान के लिए। मोबाविलिटी, संतुलन और बॉडी कंट्रोल जिम्नास्ट के लिए- फ्लेक्सिबिलिटी, बैलेंस और

श्रद्धांजलि का उद्देश्य खिलाड़ी को उसके खेल से हटाना नहीं, बल्कि उसकी तैयारी को और व्यापक बनाना है। जब योग और स्पोर्ट्स साइंस मिलते हैं तो खेल विज्ञान खिलाड़ी के प्रदर्शन को कई स्तरों पर देखता है। योग इनमें विशेष रूप से बॉडी अवेयरनेस, ब्रीदिंग कंट्रोल, संतुलन, फ्लेक्सिबिलिटी और मेंटल फोकस के क्षेत्रों में योगदान दे सकता है। यही कारण है कि योगासन को स्कूलों, खेल अकादमियों और प्रशिक्षण केंद्रों में उचित विशेषज्ञ मार्गदर्शन के साथ शामिल करने पर नई पीढ़ी के खिलाड़ियों को व्यापक प्रशिक्षण वातावरण मिल सकता है। मेजर ध्यानचंद को श्रद्धांजलि केवल उनकी तस्वीर पर पुष्प अर्पित करने तक सीमित न रहे। श्रद्धांजलि हो- हर बच्चे को खेल से जोड़कर। सम्मान हो- हर खिलाड़ी के संघर्ष का। संकल्प हो- हर युवा को सक्रिय बनाने का। और भविष्य हो- फिट, फोकस्ड और अनुशासित भारत का। राष्ट्रीय खेल दिवस 2026 की थीम "Tribute, Play, and Move" इसी भावना को आगे बढ़ाती है। और योगासन इसमें एक महत्वपूर्ण संदेश जोड़ सकता है -खेलो भी योग करो भी और जीवन में आगे बढ़ो भी।

धरातल की काव्य गोष्ठी संपन्न

रिमझिम रिमझिम गा रहे बादल मस्त मल्हार। राखी ले कर आ गया सावन का त्योहार। देवेन्द्र राही के शब्दों ने सार्थक किया, पावस और रक्षा बंधन की काव्य संध्या को। धरातल की पावस गोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे थे, नगर निगम उपायुक्त श्री प्रदीप श्रीवास्तव, मुख्य अतिथि द्वय श्री विजय सिंह पाल इटावा, श्रीमती तृप्ति शर्मा, छतरपुर व विशिष्ट अतिथि श्री राम अवध विश्वकर्मा। आयोजक श्री सुधीर कुशवाहा के तानसेन नगर स्थित निवास पर आयोजित पावस गोष्ठी में देवेन्द्र राही के कुशल संचालन में गुलशन ग्वालियरी ने गजल पेश की,, सियासत के बजारों में किसी की कौन सुनता है।



हमारी कौन सुनता है तुम्हारी कौन सुनता है। रिमझिम फुहारों के मध्य काव्य फुआर में रेशमा बानू तमन्ना ने गजल कही सितम कर रहा है सितमगर हमारा। उसी से जुड़ा है मुकद्दर हमारा। हेमंत त्रिवेदी-अमन- ने गजल के सिलसिले को आगे बढ़ाया,

किसी के दिल में रहते हैं किसी के दिल से आते हैं। जमाने हम तुझे मिलने बड़ी मुश्किल से आते हैं। डा जयमाला मिश्रा ने मधुर गीत प्रस्तुत कर सावन का समां बांध दिया तस्वीरों पर जमती धूल तस्वीरों पर रहने दो। यादें फिर आहत न कर दें, दीवारों पर रहने दो। मुख्य अतिथि श्रीमती तृप्ति

शर्मा ने अपनी बात यूं रखी, कुछ अपने जैसे मिलते हैं जिनसे मिल कर दिल खिलते हैं। कुंवर अन्य राज सिंह की संगीत मय सरस्वती वंदना से प्रारंभ गोष्ठी ने एक भव्य दिव्य स्थिति प्राप्त की, जिसमें नये सदस्य श्रीमती चेतना व भूमिका श्रीवास्तव के अतिरिक्त लखन राना, अशोक भाटिया राजेश अवस्थी लावा, जीतेन्द्र राज शायर, सुधीर कुशवाहा, डा अमित शर्मा महासमर, दीपक व अनिरुद्ध राज ने अपनी प्रस्तुति दी। इस अवसर पर इटावा से पधारे कवि श्री विजय सिंह पाल का शाल श्रीफल से सम्मान भी किया गया। अनेक गणमान्य श्रोताओं की उपस्थिति में हर्षोल्लास से सम्पन्न पावस गोष्ठी का आभार व्यक्त किया, बरिष्ठ विदुषी श्रीमती संगीता रानी ने।

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू पर मनाया श्रावणी पर्व, मंत्रोच्चार से किया 10 प्राकृतिक चीजों से स्नान

गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू पर श्रावणी पर्व मनाया गया गायत्री प्रज्ञा पीठ कंपू पर सावन की पूर्णिमा पर प्राकृतिक रूप से दस स्नान जिसमें गाय के दूध, दही, घी, गोबर, मूत्र, शहद, मुलतानी मिट्टी, भस्म, कुशा, गंगाजल आदि से मंत्रोच्चार द्वारा प्राकृतिक रूप से स्नान किया गया सप्त ऋषियों का विधि विधान से पूजन किया गया साथ ही नवीन यज्ञोपवीत धारण किया गया, महाकाल का शिव अभिषेक एवं यज्ञ द्वारा कार्यक्रम संपन्न किया गया, कार्यक्रम आचार्य पंकज शर्मा द्वारा संपन्न कराया गया, इस धर्माथ कार्य में गायत्री प्रज्ञा पीठ के ट्रस्टी शिव वीर सिंह चौहान सहित गायत्री परिवार के सदस्यों ने भारी संख्या में बढ़-कर भाग लिया।

लायन्स क्लब ऑफ ग्वालियर एवं समर्पण आई हॉस्पिटल द्वारा निःशुल्क नेत्र परीक्षण शिविर

ग्वालियर, जीएनएस। लायन्स क्लब ऑफ ग्वालियर एवं समर्पण आई हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में 27 अगस्त 2026 को 262, जीवाजी नगर, थाटीपुर स्थित समर्पण आई हॉस्पिटल में विशाल निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं परामर्श महाशिविर आयोजित किया गया। शिविर में करीब 125 लोगों ने



निःशुल्क स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। विशेषज्ञ चिकित्सकों द्वारा आँखों की जाँच, चश्मे के नंबर की

जाँच, मोतियाबिंद की पहचान तथा विभिन्न नेत्र रोगों की जाँच एवं परामर्श दिया गया। साथ ही रक्तचाप

एवं शुगर की जाँच भी की गई। क्लब के अध्यक्ष लायन नरेंद्र अग्रवाल एवं मानसेवी सचिव लायन पुनीत अग्रवाल ने बताया कि लायन्स क्लब ऑफ ग्वालियर द्वारा समाज के जरूरतमंद लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाने के उद्देश्य से निरंतर सेवा गतिविधियाँ आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि -सेवा ही हमारा संकल्प है।

हिन्दी दैनिक

श्रमसाधना

आपकी दुःख की छाड़ी में

श्रमसाधना सदैव आपके साथ है

उठावनी/रसम पगड़ी का प्रकाशन निःशुल्क

सम्पर्क करें

ग्वालियर 0751-2625029 9074257600

शिवपुरी 07492-232149 8251071286

E-mail : shramsadhnagwl@gmail.com

अवैध मादक पदार्थ के खिलाफ थाना विश्वविद्यालय पुलिस की कार्यवाही

पुलिस की चेकिंग को देखकर स्कूटी मोड़कर भागने का प्रयास स्कूटी पर रखी बोरी में मिला 5.430 किलोग्राम गांजा

ग्वालियर, जीएनएस।
वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ग्वालियर श्री धर्मवीर सिंह(भापुसे) के निर्देश पर ग्वालियर जिले में अवैध मादक पदार्थों की खरीद-फरोख्त एवं तस्करी करने वालों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अति. पुलिस अधीक्षक (पूर्व) डॉ. शिवेश सिंह बघेल द्वारा अपने अधीनस्थ थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही करने हेतु निर्देशित किया गया है।
वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशों के अनुक्रम में सीएसपी विश्वविद्यालय श्री रवि भदौरिया के

कुशल मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी विश्वविद्यालय निरीक्षक रविन्द्र कुमार के नेतृत्व में थाना विश्वविद्यालय पुलिस द्वारा दिनांक 27.08.2026 को आगामी त्यौहारों को दृष्टिगत रखते हुए थाना क्षेत्र में सदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही थी।
पुलिस टीम को नीडम पुल के नीचे सदिग्ध व्यक्तियों एवं वाहनों की चेकिंग हेतु तैनात किया गया था। इसी दौरान टीवीएस कंपनी की ग्रे रंग की इलेक्ट्रिक आईक्यूब स्कूटी क्रमांक एमपी07-ईई-4589 का चालक पुलिस टीम को देखकर स्कूटी धीमी कर मोड़ने का प्रयास करने लगा। पुलिस टीम ने

घेराबंदी कर उसे रोक लिया। चालक के हेलमेट नहीं पहनने के संबंध में पूछताछ करने पर वह घबरा गया तथा बार-बार स्कूटी में आगे पैरों के पास रखी सफेद रंग की प्लास्टिक की बोरी को देखने लगा।
पुलिस टीम को संदेह होने पर बोरी में रखे सामान के संबंध में पूछताछ की गई। पूछताछ के दौरान चालक घबरा गया और धीमी आवाज में बोला कि -आज तो पकड़े ही गए। पुलिस द्वारा बोरी खुलवाकर चेक करने के लिए कहने पर वह बहानेबाजी करने लगा। सख्ती से पूछताछ करने पर उसने बोरी में गांजा होना बताया।

सदिग्ध व्यक्ति का नाम-पता पूछने पर उसने अपना नाम नरेन्द्र कुशवाह पुत्र परसुराम, उम्र 32 वर्ष, निवासी न्यू राम विहार कॉलोनी, पिन्टू पार्क, थाना गोला का मंदिर, ग्वालियर बताया।
पुलिस द्वारा प्लास्टिक की बोरी खुलवाकर चेक करने पर उसमें हरी पत्ती, ठंडल एवं फूल-बीज युक्त मिश्रण गांजा जैसा मादक पदार्थ पाया गया। इलेक्ट्रॉनिक कांटे से बोरी सहित तौल करने पर कुल वजन 5.430 किलोग्राम पाया गया। पुलिस द्वारा आरोपी नरेन्द्र कुशवाह के कब्जे से 5.430 किलोग्राम गांजा कीमती लगभग 55000/- रुपये एवं

घटना में प्रयुक्त टीवीएस इलेक्ट्रिक आईक्यूब स्कूटी, एक ओप्पो कंपनी का मोबाइल फोन, एक आधार कार्ड एवं 550 रुपये नगद जप्त किए गए।
आरोपी का कृत्य धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत पाए जाने पर थाना विश्वविद्यालय में अपराध क्रमांक 198/2026, धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट का प्रकरण पंजीबद्ध कर आरोपी से पुलिस द्वारा मादक पदार्थ के स्रोत एवं इसकी सप्लाई के संबंध में पूछताछ की जा रही है।
आरोपी- नरेन्द्र कुशवाह पुत्र परसुराम कुशवाह उम्र 32 साल निवासी न्यू राम विहार कलोनी

पिन्टू पार्क थाना गोले का मंदिर ग्वालियर
जप्त मशरूका- अवैध मादक पदार्थ गांजा कुल 5.430 ग्राम कीमती लगभग 55000/- रुपये एवं इलेक्ट्रिक आईक्यूब स्कूटी नं. एमपी07-ईई-4589 कीमती लगभग 01 लाख रुपये की जप्त की गई।
सराहनीय भूमिका- थाना प्रभारी विश्वविद्यालय निरीक्षक रविन्द्र कुमार, उनि दिनेश सिंह, उनि दीपेंद्र सिंह राजावत, उनि सुरेंद्र मुजोरिया, प्रआर सुरेंद्र तोमर, आर. अनिल कुमार, आर. गौरव आर्य, आर. दुर्गेश शर्मा की सराहनीय भूमिका रही।

कन्या महाविद्यालय में मनाया गया राष्ट्रीय खेल दिवस

श्यापुर, जीएनएस।
शासकीय आदर्श कन्या महाविद्यालय श्यापुर में प्राचार्य डॉ ओपी शर्मा के निर्देशन में भारत के हॉकी के जादूगर के नाम से प्रसिद्ध व महान खिलाड़ी मेजर ध्यानचंद (1905-1979) की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय खेल दिवस मनाया गया। मेजर ध्यानचंद की तस्वीर पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम की शुरुआत की गई, इस अवसर पर वक्ताओं द्वारा अपने उद्धोधन में बताया गया कि खेल दिवस के आदर्श हमें प्रेरणा देते हैं, खेल भावना से आत्मविश्वास, सकारात्मक सोच बढ़ती है, फिटनेस से शारीरिक और मानसिक रूप से मजबूत होकर,



लचीला और ऊर्जावान रह सकते हैं, जिससे स्वस्थ और निरोगी जीवन प्राप्त होता है, टीमवर्क की भावना से मिलकर आगे बढ़ना व सहयोग करना सीखा जाता है तथा अनुशासन में रहने पर सफलता प्राप्त होती है। इस

अवसर पर डॉ ललिता सिकरवार, डॉ खेमराज आर्य, श्री आरपी बाजूला, डॉ मनीष सैनी, डॉ राहुल कुमार कुशवाहा, डॉ आरडी अहिरवार, खेल अधिकारी श्री हीरा सिंह सहित छात्राएं भी उपस्थित रही।

एसडीएम ने किया शासकीय हाईस्कूल रायपुरा का निरीक्षण

श्यापुर, जीएनएस।
एसडीएम श्री गगन मीणा द्वारा मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आयोजित कार्यक्रम के क्रम में आज रायपुरा स्थित शासकीय हाईस्कूल रायपुरा का निरीक्षण किया गया।
एसडीएम श्री गगन मीणा द्वारा शासकीय हाईस्कूल रायपुरा में निरीक्षण के दौरान बच्चों से चर्चा कर अध्ययन-अध्यापन और मध्याह्न भोजन के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान अंतर्गत जनसंवाद कार्यक्रम से पूर्व अधिकारियों द्वारा कलस्टर क्षेत्र के ग्रामों के भ्रमण कर विभिन्न शासकीय योजनाओं, सुविधाओं एवं



सेवाओं का आंकलन भी करना है। इसीक्रम में एसडीएम श्री गगन मीणा द्वारा शासकीय

हाईस्कूल का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया गया।

मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान अंतर्गत रायपुरा में जनसंवाद आयोजित

श्यापुर, जीएनएस।
कलेक्टर सुश्री शोला दाहिमा के मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान अंतर्गत आज श्यापुर विकासखण्ड क्षेत्र के ग्राम रायपुरा में जनसंवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम पंचायत भवन में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों की समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया तथा विभिन्न हितग्राहीमूलक योजनाओं में लाभ का वितरण किया गया।
इस अवसर पर नवागत सीईओ जिला पंचायत श्री कार्तिकेय जायसवाल, अपर कलेक्टर श्री रूपेश उपाध्याय, एसडीएम श्री गगन मीणा, जनपद अध्यक्ष श्रीमती रीना आशीष मीणा, भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण, भाजपा प्रदेश कार्य समिति सदस्य श्री महावीर सिंह सिसौदिया, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री नीरज जाट, श्री रामलखन नापाखेडली, भाजपा जिला महामंत्री श्री संजय अकोदिया, डिप्टी कलेक्टर श्री विजय शाक्य, सरपंच श्रीमती रामलेखा मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।
जिला पंचायत के सीईओ श्री कार्तिकेय जायसवाल ने जनसंवाद कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि शिविरों के माध्यम से कलस्टर क्षेत्र की समस्याओं का निराकरण

गंभीरता से किया जा रहा है, साथ ही अधिकारियों द्वारा भ्रमण कर मैदानी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सेवाओं और सुविधाओं को ओर अधिक बेहतर बनाने के लिए कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान प्राप्त आवेदनों को पंजीबद्ध किया गया है तथा निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजकर सात दिवस में निराकरण के निर्देश दिये गये हैं। इस अवसर पर ग्राम जाटखेडा के ग्रामीणों द्वारा एकीकृत मिडिल स्कूल और आंगनवाडी केन्द्र की ओर जाने वाले मार्ग को सुचारू करने के संबंध में अवगत कराये जाने पर संबंधित राजस्व अधिकारियों को पुलिस के साथ मौके पर भेजकर रास्ता क्लीयर कराने के निर्देश दिये गये। भाजपा जिला अध्यक्ष श्री शशांक भूषण ने कहा कि कोई भी पात्र व्यक्ति कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें, इसी क्रम में मध्यप्रदेश की सरकार द्वारा यह कार्यक्रम चलाया गया है, जिसका लाभ ग्रामीणों को मिल रहा है। कलस्टर लेबल पर शिविर आयोजित कर लोगों की समस्याओं का न केवल समाधान कर रहे, बल्कि योजनाओं में लाभ प्रदान करने का कार्य भी किया जा रहा है।
जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री



नीरज जाट ने कहा कि शासन की मंशा अनुसार इन शिविरों के माध्यम से लोगों को लाभ देने का कार्य किया जा रहा है, साथ ही विभिन्न योजनाओं की मॉनीटरिंग भी हो रही है। उन्होंने कहा कि सभी किसानों की फार्म रजिस्ट्री के लिए अभियान चलाया जा रहा है, किसान बंधु अभियान के तहत फार्म रजिस्ट्री कराये। भाजपा जिला महामंत्री श्री संजय अकोदिया ने कहा कि कलस्टर क्षेत्र में शामिल पंचायतों के ग्रामीणों की समस्याओं के निदान के लिए आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम कारगर साबित हो रहे हैं, जिले के सभी अधिकारी एक मंच पर उपस्थित होकर गंभीरता के साथ न केवल समस्याओं का निराकरण कर रहे हैं, बल्कि हितग्राहियों को बड़ी संख्या में लाभ का वितरण भी किया जा रहा है। कार्यक्रम का संचालन सीईओ जनपद श्री एसएस भटनागर द्वारा किया गया। शासन की मंशानुसार

रायपुरा में आयोजित जनसंवाद कार्यक्रम में 22 आवेदन प्राप्त हुए, जिनके एक सप्ताह के अंदर निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिये गये हैं।
स्वास्थ्य विभाग की ओपीडी में मिला 120 लोगों को उपचार
जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान सीएमएचओ डॉ दिलीप सिकरवार के नेतृत्व में मेडिकल टीम द्वारा 120 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उपचार किया गया तथा निशुल्क दवाओं का वितरण किया गया। शिविर के दौरान क्षय रोग चिकित्सक डॉ यतेन्द्र रावत द्वारा रोगियों की टीबी जांच की गई और 15 लोगों के मोबाइल यूनिट के माध्यम से एक्सरे किये गये। 05 लोगों के बलगम की जांच की गई। इस अवसर पर एडवांस किट के माध्यम से 07 लोगों की एड्स की जांच भी शिविर में की गई। आयुष शिविर में 53 लोगों

को दवा का वितरण
जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान आयुष विभाग द्वारा स्वास्थ्य एवं जांच परीक्षण तथा निशुल्क दवा वितरण शिविर आयोजित किया गया। इस दौरान आयुष टीम द्वारा 53 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर आयुर्वेदिक दवाएं निशुल्क रूप से प्रदान की गईं।
पशुपालन विभाग की योजनाओं में लाभ का वितरण
जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान पशुपालन विभाग अंतर्गत संचालित डॉ भीमराव अम्बेडकर कामधेनु योजना के तहत ग्राम रायपुरा निवासी श्री देवेन्द्र जाट को लाभान्वित किया गया। उक्त योजना के तहत हितग्राही श्री देवेन्द्र जाट को 25 भैंसों के लिए 42 लाख रुपये का ऋण प्राप्त हुआ है। योजना के तहत 10 लाख रुपये की सबसिडी शासन द्वारा प्रदान की जाती है। इसी प्रकार श्री रामलाल बैरवा निवासी रायपुरा को डेयरी प्लस योजना में लाभान्वित किया गया। इस योजना में 2 लाख 95 हजार रुपये की भैंसपालन यूनिट में 50 प्रतिशत अनुदान प्रदान किया जाता है। श्रीमती मनभर बाई गुर्जर बकरी पालन योजना अंतर्गत लाभ दिया गया। इस योजना के तहत 10 बकरी और एक बकरे की यूनिट के लिए एससी, एसटी वर्ग को 60

प्रतिशत तथा अन्य हितग्राहियों को 40 प्रतिशत अनुदान दिया जाता है।
प्राथमिक स्कूल रायपुरा के निर्माण हेतु 18.25 लाख की राशि स्वीकृत
जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान डीपीसी श्री भूपेन्द्र शर्मा द्वारा ग्रामीणों को जानकारी दी गई कि राज्य शिक्षा केन्द्र भोपाल द्वारा रायपुरा में प्राथमिक स्कूल भवन के निर्माण के लिए 18 लाख 25 हजार रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार प्राथमिक विद्यालय ज्वालापुर की मरम्मत के लिए भी राशि स्वीकृत हुई है।
जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई। श्रम विभाग द्वारा पीएम श्रमयोगी मानधन योजना के संबंध में अवगत कराया गया, जिसमें असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों को आयु अनुसार प्रतिमाह 55 से 200 रुपये जमा करने पर 60 साल की आयु पूरी होने के बाद 3 हजार रुपये मासिक पेंशन प्रदान की जाती है। इसी प्रकार शिविर में मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना, फार्म रजिस्ट्री, पशुपालन विभाग एवं महिला बाल विकास विभाग की योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई।

दुनिया में आर्थिक तूफान, भारत की नई उड़ान संकट के बीच अवसर तलाशता भारत

वैश्विक अर्थव्यवस्था इस समय कई मोर्चों पर अस्थिरता का सामना कर रही है। एक ओर अमेरिका-ईरान तनाव, होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर बढ़ती चिंता, कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव, ऊंची वैश्विक ब्याज दरें और टैरिफ युद्ध जैसी चुनौतियां हैं, तो दूसरी ओर भारत अंतरिक्ष तकनीक, विदेशी निवेश, वैश्विक साझेदारी और विनिर्माण विस्तार के जरिए अपनी आर्थिक ताकत को नई दिशा देने में जुटा है।

आज की सबसे बड़ी आर्थिक कहानी यही है कि जहां दुनिया संकटों से जूझ रही है, वहीं भारत इन चुनौतियों को अवसर में बदलने की रणनीति पर काम कर रहा है। भारत की कोशिश केवल बाहरी झटकों से बचने की नहीं, बल्कि बदलती वैश्विक व्यवस्था में अपनी भूमिका को मजबूत करने की है।

अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की नई छलांग : राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के अवसर पर भारत ने अपनी अंतरिक्ष यात्रा के नए चरण की ओर संकेत दिया है। अंतरिक्ष अब केवल सरकारी अभियानों तक सीमित नहीं है, बल्कि निजी कंपनियों, स्टार्टअप्स, निवेश और रोजगार का बड़ा क्षेत्र बन चुका है।

प्रधानमंत्री द्वारा भारतीय स्पेस-टेक स्टार्टअप्स के संस्थापकों और सीईओ के साथ संवाद इसी बदलाव का संकेत है। स्काईरूट एयरोस्पेस, अग्निकुल कॉसमॉस, पिक्सेल, ध्रुव स्पेस और दिगंतरा जैसी कंपनियां भारत में अंतरिक्ष क्षेत्र के निजी विस्तार की कहानी लिख रही हैं।

अंतरिक्ष तकनीक का उपयोग अब केवल रॉकेट और उपग्रह तक सीमित नहीं है। कृषि, मौसम पूर्वानुमान, जल संसाधन प्रबंधन, आपदा नियंत्रण, पर्यावरण निगरानी और संचार व्यवस्था में इसका उपयोग बढ़ रहा है। यही कारण है कि अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था भविष्य में भारत के लिए बड़ा आर्थिक इंजन बन सकती है।

एक दशक पहले जहां

भारत में गिने-चुने स्पेस स्टार्टअप थे, वहीं अब इनकी संख्या सैकड़ों में पहुंच चुकी है। यह बदलाव बताता है कि भारत उच्च तकनीक आधारित उद्योगों के नए केंद्र के रूप में उभर रहा है।

जापान और सिंगापुर से मजबूत होती आर्थिक साझेदारी

वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में बदलाव के दौर में भारत जापान और सिंगापुर जैसे देशों के साथ आर्थिक संबंधों को नई मजबूती दे रहा है।

जापान के साथ सहयोग में सेमीकंडक्टर, स्वच्छ ऊर्जा, ऑटोमोबाइल, विनिर्माण, स्वास्थ्य और स्टार्टअप क्षेत्र प्रमुख हैं। जापान की तकनीकी क्षमता और भारत का बड़ा बाजार मिलकर वैश्विक उत्पादन व्यवस्था में नई संभावनाएं पैदा कर सकते हैं।

इसी तरह सिंगापुर के साथ डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, एआई, साइबर सुरक्षा, सेमीकंडक्टर और उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में सहयोग भारत को वैश्विक तकनीकी नेटवर्क से जोड़ रहा है।

भारत की रणनीति अब

केवल निवेश आकर्षित करने तक सीमित नहीं है। लक्ष्य ऐसी पूंजी को लाना है जो तकनीक, रोजगार, निर्यात और घरेलू उद्योगों को भी मजबूत करे।

होर्मुज संकट और तेल की चुनौती : वैश्विक स्तर पर सबसे बड़ी आर्थिक चिंताओं में से एक ऊर्जा सुरक्षा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में तनाव बढ़ने की स्थिति में कच्चे तेल की कीमतों पर असर पड़ना स्वाभाविक है।

भारत के लिए महंगा तेल केवल पेट्रोल-डीजल की कीमतों तक सीमित नहीं है। इसका असर परिवहन, उर्वरक, रसायन, विमानन, प्लास्टिक और विनिर्माण लागत तक पहुंचता है। तेल आयात बिल बढ़ने से रुपये और महंगाई पर भी दबाव बढ़ सकता है।

ऐसे समय में भारत के लिए ऊर्जा स्रोतों का विविधीकरण जरूरी हो जाता है। नवीकरणीय ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, परमाणु ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता जैसे क्षेत्रों में तेजी भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण होगी।

टैरिफ युद्ध में भारत के लिए अवसर : विश्व व्यापार में बढ़ता संरक्षणवाद और

टैरिफ युद्ध वैश्विक कंपनियों को अपनी उत्पादन रणनीति बदलने के लिए मजबूर कर रहा है। कई कंपनियां चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करने के विकल्प तलाश रही हैं।

यहीं भारत के लिए अवसर मौजूद है। लेकिन केवल कंपनियों को भारत आने का निमंत्रण देना पर्याप्त नहीं होगा। इसके लिए बेहतर लॉजिस्टिक्स, तेज मंजूरी प्रक्रिया, कुशल श्रम, स्थिर नीति और प्रतिस्पर्धी उत्पादन व्यवस्था जरूरी होगी। यदि भारत इन क्षेत्रों में सुधार करता है तो वह वैश्विक सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण केंद्र बन सकता है।

बहुस्तरीय कूटनीति बनी भारत की ताकत : वर्तमान वैश्विक परिस्थिति में भारत की सबसे बड़ी ताकत उसकी संतुलित कूटनीति है। जापान के साथ तकनीकी और निवेश संबंध, रूस के साथ ऊर्जा एवं व्यापार सहयोग, सिंगापुर के साथ डिजिटल साझेदारी और अन्य देशों के साथ आर्थिक संबंध भारत को किसी एक बाजार या शक्ति पर निर्भर होने से बचाते हैं। यह बहुस्तरीय रणनीति भारत को वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच स्थिरता प्रदान कर

सकती है। आज भारत के सामने तेल कीमतें, वैश्विक टैरिफ, मुद्रा दबाव और विदेशी निवेश जैसी बड़ी चुनौतियां हैं। लेकिन साथ ही स्पेस टेक्नोलॉजी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, विनिर्माण, स्टार्टअप और वैश्विक निवेश के रूप में बड़े अवसर भी मौजूद हैं।

भारत की असली परीक्षा यह नहीं है कि वह वैश्विक संकटों को रोक सकता है या नहीं, बल्कि यह है कि वह इन परिस्थितियों में अपनी आर्थिक दिशा कितनी मजबूती से बनाए रखता है।

यदि भारत तकनीकी आत्मनिर्भरता, ऊर्जा सुरक्षा, मजबूत घरेलू मांग और स्थिर नीतियों के साथ आगे बढ़ता है तो वैश्विक आर्थिक तूफान उसके लिए नई संभावनाओं का रास्ता खोल सकता है।

आज भारत केवल संकटों का सामना करने वाला देश नहीं, बल्कि बदलती विश्व अर्थव्यवस्था में नेतृत्व की क्षमता रखने वाला राष्ट्र बनकर उभर रहा है। यही इस दौर का सबसे बड़ा आर्थिक संदेश है।

एडवोकेट किशन समुखदास भावनानी

आजकल कई लोग पेट में गैस बनने की समस्या से परेशान रहते हैं। कुछ लोगों को खाना खाने के बाद पेट फूलने लगता है, डकारें आती हैं या पेट में भारीपन महसूस होता है। कई बार यह परेशानी थोड़ी देर में ठीक हो जाती है, लेकिन कुछ लोगों को बार-बार गैस बनने की शिकायत रहती है। ऐसे में रोजमर्रा की आदतों पर ध्यान देना जरूरी हो जाता है। पेट में गैस बनना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन जब यह जरूरत से ज्यादा बनने लगे या बार-बार परेशानी पैदा करे, तो इसकी वजह जानना जरूरी है।

पेट में गैस आमतौर पर खाना पचने के दौरान बनती है। इसके अलावा खाते या पीते समय हवा पेट में चली जाए, तब भी गैस बन

बार-बार पेट में गैस बनती है? आपकी रोज की ये आदतें हो सकती हैं वजह

सकती है। कई बार कुछ खाने की चीजें और रोज की कुछ आदतें भी इस परेशानी को बढ़ा देती हैं। अगर गैस के साथ तेज दर्द, लगातार पेट फूलना या दूसरी दिक्कतें भी होने लगे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। आइए जानते हैं बार-बार पेट में गैस किन आदतों की वजह से बनती है, इससे राहत पाने के लिए क्या किया जा सकता है और कब यह किसी बीमारी का संकेत हो सकती है।

किन आदतों से बार-बार पेट में गैस बनती है?

कई बार हमारी रोज की कुछ आदतें पेट में ज्यादा गैस बनने की वजह बन जाती हैं। बहुत जल्दी-



पेट में गैस क्यों बनती है?

जल्दी खाना खाने या खाते समय ज्यादा बात करने से पेट में हवा चली जाती है, जिससे गैस बन सकती है। च्यूइंग गम चबाने, हार्ड कैंडी चूसने और स्ट्रॉ से बार-बार ड्रिंक पीने से भी ज्यादा हवा पेट में पहुंच सकती है।

इसके अलावा कोल्ड ड्रिंक और दूसरी कार्बोनेटेड ड्रिंक पीने से भी गैस बढ़ सकती है। कुछ लोगों को बीन्स, पत्तागोभी, ब्रोकली, प्याज, नाशपाती, सेब, दूध या डेयरी से बनी चीजें खाने के बाद भी गैस की शिकायत हो सकती है।

हर व्यक्ति का शरीर अलग होता है, इसलिए जिन चीजों को खाने के बाद बार-बार गैस बनती है, उन्हें पहचानना और जरूरत पड़ने पर कम करना फायदेमंद हो सकता है।

पेट की गैस से राहत पाने के लिए क्या करें?

अगर आपको बार-बार गैस बनती है, तो खाना धीरे-धीरे खाएं और उसे अच्छी तरह चबाकर खाएं। खाते समय बहुत ज्यादा बात करने से बचें, ताकि पेट में हवा कम जाए। अगर किसी खास खाने

की चीज से हर बार गैस बनती है, तो उसे कुछ समय के लिए कम करके देखें। कोल्ड ड्रिंक और दूसरी कार्बोनेटेड ड्रिंक कम पिएं।

दिनभर पर्याप्त पानी पिएं और खाने के बाद थोड़ी देर टहलें। अगर आपको दूध या डेयरी की चीजें खाने के बाद गैस बनती है, तो डॉक्टर की सलाह लेकर इसकी वजह जानें। अगर परेशानी बार-बार हो रही है, तो डॉक्टर से जांच कराना बेहतर रहेगा।

पेट की गैस कब किसी बीमारी का संकेत हो सकती है?

अगर पेट में गैस के साथ तेज दर्द, लगातार पेट फूलना, बार-बार दस्त या कब्ज, बिना वजह वजन कम होना, उल्टी, मल में खून आना या निगलने में परेशानी जैसी दिक्कतें भी हों, तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें।



युवाओं ने श्रमदान कर मंदिर परिसर और आसपास की सफाई की, लोगों को स्वच्छता के प्रति किया जागरूक

भैरव बाबा मंदिर के पास सफल युवा मंडल ने चलाया स्वच्छता अभियान



ग्वालियर जीएनएस
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत केंद्र, ग्वालियर से संबद्ध सफल युवा मंडल की ओर से ग्राम झंडा का पूरा स्थित भैरव बाबा मंदिर के पास स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान युवाओं ने मंदिर परिसर सहित आसपास के क्षेत्र में श्रमदान कर साफ-सफाई की और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक किया।

स्वच्छता सामूहिक जिम्मेदारी : सफल युवा मंडल के अध्यक्ष अरविंद कुशवाह ने कहा कि स्वच्छता केवल किसी एक व्यक्ति या संस्था की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। अपने आसपास के स्थानों को स्वच्छ रखना प्रत्येक नागरिक का सामाजिक दायित्व है। यदि प्रत्येक युवा अपने गांव और आसपास के क्षेत्र को स्वच्छ रखने का संकल्प

ले तो गांव और समाज को स्वच्छ एवं सुंदर बनाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से नियमित रूप से स्वच्छता अभियानों में सहभागिता करने तथा अपने परिवार और आसपास के लोगों को भी स्वच्छता के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया।
युवाओं ने लिया स्वच्छता का संकल्प : अभियान में मेरा युवा भारत केंद्र ग्वालियर के नेशनल यूथ वॉलंटियर विशाल

कुशवाह, चमन, गोलू, योगेश सहित अन्य युवा उपस्थित रहे। सभी ने श्रमदान करते हुए मंदिर परिसर और आसपास की सफाई की। साथ ही क्षेत्र को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लिया।
सफल युवा मंडल की ओर से समय-समय पर युवाओं की सहभागिता से स्वच्छता, पर्यावरण संरक्षण एवं जन-जागरूकता से जुड़े विभिन्न सामाजिक कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

12 बदमाश गिरफ्तार, 11 देशी कट्टे, एक पिस्टल और 18 जिंदा राउंड बरामद

ऑपरेशन ईगल : अवैध हथियारों के खिलाफ ग्वालियर पुलिस की बड़ी कार्रवाई

ग्वालियर जीएनएस
अवैध हथियार रखने और सोशल मीडिया पर उनका प्रदर्शन करने वाले बदमाशों के खिलाफ ग्वालियर पुलिस ने ऑपरेशन ईगल के तहत बड़ी कार्रवाई की है। 29 और 30 अगस्त को जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में की गई कार्रवाई में पुलिस ने 12 बदमाशों को गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से 315 बोर के 11 देशी कट्टे, 13 जिंदा राउंड और एक खाली खोखा तथा 32 बोर की एक पिस्टल और पांच जिंदा राउंड बरामद किए गए हैं।

संदिग्धों और बदमाशों पर रखी जा रही नजर : वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक धर्मवीर सिंह के निर्देश पर जिले में अवैध हथियारों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत पुलिस संदिग्ध व्यक्तियों और आदतन बदमाशों की निगरानी के साथ सघन चेकिंग कर रही है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजावल जग्गा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पूर्व डॉ. शिवेश सिंह बघेल और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ग्रामीण जयराम



कुबेर ने थाना प्रभारियों को अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ कार्रवाई के निर्देश दिए थे।

इन थाना क्षेत्रों में हुई कार्रवाई

महाराजपुरा थाना : अजय सिंह को 315 बोर के कट्टे और एक जिंदा राउंड के साथ तथा करण जाटव को कट्टे और तीन जिंदा राउंड के साथ पकड़ा गया।

मुरार थाना : अंकित उर्फ अंकी को 315 बोर के कट्टे और एक जिंदा राउंड के साथ गिरफ्तार किया गया।

पनिहार थाना : मोनू गुर्जर को कट्टे और जिंदा राउंड के साथ पकड़ा गया। उसके पास से मोटरसाइकिल और मोबाइल भी

बरामद किया गया।

उटीला थाना : फरार आरोपी देव उर्फ हरेन्द्र को पार्वती पहाड़ क्षेत्र से 315 बोर के कट्टे और जिंदा राउंड के साथ गिरफ्तार किया गया।

डबरा देहात थाना : गुलशन पवार को 315 बोर के कट्टे और जिंदा राउंड के साथ पकड़ा गया।

पुरानी छावनी थाना : अमन होलकर को कट्टे और जिंदा राउंड के साथ गिरफ्तार किया गया।

गोला का मंदिर थाना : अमन शर्मा को 315 बोर के कट्टे और जिंदा राउंड के साथ पकड़ा गया।

झांसी रोड थाना : नकुल परिहार को कट्टे और जिंदा राउंड के

साथ गिरफ्तार किया गया।

सिरोल क्षेत्र : हजीरा थाना और क्राइम ब्रांच की संयुक्त टीम ने करन बाथम को 315 बोर के कट्टे और दो जिंदा राउंड के साथ गिरफ्तार किया।

हजीरा थाना : सचिन पवैया के कब्जे से 32 बोर की पिस्टल और पांच जिंदा राउंड, जबकि राहुल खटीक उर्फ टेंकर से 315 बोर का कट्टा और एक चला हुआ राउंड बरामद किया गया।

सभी आरोपियों पर आर्मस एक्ट में केस : पुलिस ने सभी गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ संबंधित थानों में आर्मस एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किए हैं। अधिकारियों के मुताबिक अभियान के तहत अवैध हथियार रखने वालों के साथ ही सोशल मीडिया पर हथियारों का प्रदर्शन करने वाले बदमाशों पर भी नजर रखी जा रही है। कार्रवाई में क्राइम ब्रांच के साथ महाराजपुरा, मुरार, पनिहार, पुरानी छावनी, हजीरा, गोला का मंदिर, डबरा देहात, झांसी रोड, उटीला और सिरोल थाना पुलिस की टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर की निधि से दिव्यांग वाहिद खान को मिली मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल

ग्वालियर जीएनएस

नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर की निधि से उनके निज निवास कार्यालय पर दिव्यांग हितग्राही वाहिद खान को मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल भेंट की गई। ट्राइसाइकिल मिलने से वाहिद खान के लिए आवागमन आसान होगा और वे अपने दैनिक कार्यों को अधिक सुगमता से कर सकेंगे।

इस अवसर पर नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर ने कहा कि दिव्यांगजनों को सुविधाएं उपलब्ध कराना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में सहयोग करना समाज की जिम्मेदारी है। मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल से हितग्राही को



आवागमन में सहूलियत मिलेगी और वे अपने जरूरी कार्य आसानी से कर सकेंगे।

मोटराइज्ड ट्राइसाइकिल प्राप्त होने पर वाहिद खान ने नगर निगम अध्यक्ष मनोज तोमर का आभार व्यक्त किया।

कृषि विज्ञान केन्द्र, दतिया (म.प्र.)

राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय

नया झांसी बाईपास, हमीरपुर, दतिया-475661 (म.प्र.)

//खुली निविदा सूचना//

कृषि विज्ञान केन्द्र, दतिया द्वारा वर्ष 2026-27 हेतु केन्द्र के कार्यक्रमों में नाश्ता, लंच पैकेट डिनर सामग्री आपूर्ति अनुबंध हेतु खुली निविदा सूचना जारी की जाती है।

निविदा दस्तावेजों, विस्तृत विवरण, प्रपत्रों, नियम व शर्तों के लिए कृषि विज्ञान केन्द्र, दतिया की आधिकारिक वेबसाइट www.kvkdatia.com पर जाकर देखें।

निविदा जारी करने का दिनांक : 28.08.2026

निविदा प्रपत्र प्राप्त करने की तिथि :

31.08.2026 से 10.09.2026 तक

समय : प्रातः 10.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक

निविदा प्रपत्र भरकर जमा करने की अंतिम तिथि :

14.09.2026, सायं 5.00 बजे तक

वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं प्रमुख कृषि विज्ञान केन्द्र, दतिया (म.प्र.)

नाम परिवर्तन सूचना

मुझ प्रार्थिनी का सही नाम फैय्याजी बेगम (FAIYAJI BEGUM) है। यही नाम मेरे बैंक खाते, मेरे स्वर्गीय पति प्यारमोहम्मद के पेंशन पेमेंट ऑर्डर (पीपीओ) आदि में दर्ज है। जबकि मेरे आधार कार्ड, पेनकार्ड आदि दस्तावेजों में मेरा नाम फैयादी (FAIYADI) दर्ज है। फैयादी (FAIYADI) और फैय्याजी बेगम (FAIYAJI BEGUM) दोनों नाम मुझ एक ही महिला के हैं। अतः इस प्रकाशन उपरांत मेरे पेनकार्ड, आधार कार्ड एवं समस्त शासकीय/अशासकीय दस्तावेजों में मेरा नाम फैयादी (FAIYADI) के स्थान पर मेरा सही नाम फैय्याजी बेगम (FAIYAJI BEGUM) लिखा, पढ़ा व दर्ज किया जावे।

पुराना नाम

फैयादी (FAIYADI)

नया नाम

फैय्याजी बेगम (FAIYAJI BEGUM)

पत्नी स्वर्गीय प्यारमोहम्मद

निवासी-पुरानी बस्ती, मोतीझील,

शंकरपुर, ग्वालियर (म.प्र.)

ध्वजारोहण और दीप प्रज्वलन के साथ समारोह का शुभारंभ

मुनिसुव्रतनाथ मंदिर की भव्य वेदी का शिलान्यास

ग्वालियर जीएनएस
परम पूज्य राष्ट्रीय संत आचार्य श्री पुलक सागर महाराज के मंगल आशीर्वाद से जवाहरगंज स्थित श्री मुनि सुव्रतनाथ दिगंबर जैन मंदिर की भव्य वेदी का शिलान्यास समारोह रविवार को आयोजित किया गया। 29 से 30 अगस्त तक चलने वाले समारोह में सकल जैन समाज के सैकड़ों श्रद्धालुओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। समारोह के दौरान वेदी निर्माण में सहयोग करने वाले दानवीरों का सम्मान भी किया गया।

ध्वजारोहण और दीप प्रज्वलन से हुआ शुभारंभ

जैन समाज के प्रवक्ता सचिन जैन ने बताया कि प्रतिष्ठाचार्य पंडित पवन जैन (दीवान) के मंत्रोच्चार के बीच समारोह का शुभारंभ हुआ। डॉ. चंद्रमोहन एवं डॉ. पवन जैन



आगरा परिवार ने ध्वजारोहण किया। संजय आदित्यमणि जैन ने मंगल कलश स्थापित किया, जबकि भगवान मुनिसुव्रतनाथ के चित्र का अनावरण आशीष कुमार जैन ने किया। दीप प्रज्वलन पीसी जैन ग्वालियर ने किया। मंच का उद्घाटन महावीर प्रसाद जैन ने किया। स्वागत उद्बोधन चौधरी वीरेंद्र जैन ने दिया। नमामि चौधरी, डोल जैन और अक्षय जैन ने नृत्य

के माध्यम से मंगलाचरण प्रस्तुत किया। वेदी शिलान्यास की जानकारी मंदिर समिति के अध्यक्ष चौधरी नरेश जैन ने दी।

अतिथियों का किया सम्मान : समारोह के मुख्य अतिथि अखिल भारतीय वरैया महासभा के अध्यक्ष धरमचंद्र जैन रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रमोद जैन, वीरेंद्र चौधरी नरवर और चक्रेश जैन उपस्थित रहे।

अतिथियों का वीरेंद्र जैन, विनोद जैन मामा, आशीष जैन, कैलाश जैन और सुरेश जैन सहित समाजजनों ने चंदन का तिलक एवं माला पहनाकर स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन रविंद्र जैन एवं सुरेंद्र जैन ने किया। आधार चौधरी वीरेंद्र जैन ने व्यक्त किया।

इन लोगों ने किया वेदी का शिलान्यास : वेदी शिलान्यास मूल वेदी प्रदाता दिनेश कुमार जैन एडवोकेट एवं मीना जैन की ओर से किया गया। वेदी का शिलान्यास प्रेमचंद जैन एवं निश्चल जैन ने किया। इसके अलावा अरिहंत शिला प्रमोद जैन, सिद्ध शिला मनोज एवं सुनील जैन, आचार्य शिला कमल चंद्र एवं दीपक जैन, उपाध्याय शिला विमला देवी, निरुपमा एवं हरीश जैन तथा साधु शिला महेंद्र एवं सुरेंद्र जैन ने रखी।